

# संतर्क भारत समृद्ध भारत VIGILANT INDIA, PROSPEROUS INDIA

**VIGILANCE AWARENESS WEEK** 

27th October – 2nd November 2020

सतर्कता बुलेटिन VIGILANCE BULLETIN







# Sardar Vallabh Bhai Patel (31st October 1875 – 15th December 1950) Vigilance Awareness Week is observed every year as a mark of respect to Sardar Vallabh Bhai Patel.







# अस्वीकरण

यह पुस्तिका केवल सांकेतिक है तथा किसी भी रूप में यह सर्वांगीण नहीं है और न ही विषयक नियमों, प्रक्रियाओं तथा वर्तमान अनुदेशों/दिशानिर्देशों का प्रतिस्थापन है और न ही इसमें दी गई विषयवस्तु किसी भी रूप में सीवीसी/रेलवे/राइट्स संहिता के नियम का अधिक्रमण करती है | अतः इसे संबंधित नीति के परिपत्रों के साथ पढ़ा जाए ताकि संगत मामले को वास्तविक रूप में समझा जा सके | यह पुस्तिका किसी भी न्यायालय में प्रस्तुत नहीं की जानी चाहिए तथा जहां कहीं आवश्यक हो वहां अनिवार्यता संबंधित विषय के मूल आदेशों का संदर्भ लेना चाहिए | इस पुस्तिका का मुख्य उदेश्य केवल संदर्भ मात्र है |

# **DISCLAIMER**

The handbook is only indicative and is by no means exhaustive, nor is it intended to be a substitute for rules, procedures and existing instructions / guidelines on the subject. The contents herein do not in any way supersede the rules contained in any of the CVC / RAILWAY / RITES codes and should be read with relevant policy circulars for proper appreciation of the issues involved. This handbook also should not be produced in any court of law and whenever necessary, reference should always be made to the original orders on the subject. The primary purpose of the handbook is for reference only.







# भ्रष्टाचार के खिलाफ भागीदारी – ईमानदारी की शपथ

# नागरिकों के लिए

मेरा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है. मेरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है.

मेरा मानना है कि प्रत्येक नागरिक को सतर्क होना चाहिए तथा उसे सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध होना चाहिए तथा भ्रष्टाचार के विरूद्ध संघर्ष में साथ देना चाहिए.

अतः मैं प्रतिज्ञा करता हूं किः-

- •जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करूंगा;
- •ना तो रिश्वत लूंगा और ना ही रिश्वत दूंगा;
- •सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करूंगा;
- •जनहित में कार्य करूंगा:
- •अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करूंगा;
- •भ्रष्टाचार की किसी भी घटना की रिपोर्ट उचित एजेंसी को दूंगा;

# PARTICIPATE AGAINST CORRUPTION – INTEGRITY PLEDGE

#### For individual citizens

I believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country. I believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

I realize that every citizen should be vigilant and commit to highest standards of honesty and integrity at all times and support the fight against corruption.

## I, therefore, pledge:

- To follow probity and rule of law in all walks of life;
- To neither take nor offer bribe;
- To perform all tasks in an honest and transparent manner;
- To act in public interest;
- To lead by example exhibiting integrity in personal behavior;
- To report any incident of corruption to the appropriate agency.





## संगठनों के लिए सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा

मेरा विश्वास है कि हमारे देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है. मेरा विश्वास है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने के लिए सभी संबंधित पक्षों जैसे सरकार, नागरिकों तथा निजी क्षेत्र को एक साथ मिल कर कार्य करने की आवश्यकता है.

इस दिशा में स्वयं को एक उदाहरण के रूप में प्रस्तुत करने तथा रक्षोपाय, सत्यनिष्ठा ढांचा तथा नीति-संहिता स्थापित करने के अपने उत्तरदायित्व को हम स्वीकार करते हैं ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि हम किसी भी भ्रष्ट आचरण का हिस्सा नहीं हैं तथा भ्रष्टाचार के दृष्टांतों पर हमें अत्यधिक सख्ती से कार्रवाई करनी होगी.

मेरा मानना है कि भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने में तथा अपने कार्यों के सभी पहलुओं में सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता तथा सुशासन के उच्चतम मानक बनाए रखने के लिए, एक संगठन होने के नाते हमें सामने से नेतृत्व करना होगा.

अतः हम प्रतिज्ञा करते हैं किः-

हम नीतिपरक कार्य पद्धतियों को बढ़ावा देंगे तथा ईमानदारी और सत्यनिष्ठा की संस्कृति को प्रोत्साहन देंगे;

हम न तो रिश्वत लेंगे और न ही रिश्वत देंगे:

हम पारदर्शिता, जिम्मेवारी तथा निष्पक्षता पर आधारित निगमित सुशासन की प्रतिज्ञा करते हैं;

हम कार्यों के संचालन में संबद्ध कानूनों, नियमावलियों तथा अनुपालन प्रक्रियाओं का पालन करेंगे;

हम अपने सभी कर्मचारियों के लिए एक नीति-संहिता अपनाएंगे;

हम अपने कर्मचारियों को उनके कर्तव्यों के ईमानदार निष्पादन के लिए, उनके कार्य से संबद्ध नियमों, विनियमों आदि के बारे में सुग्राही बनाएंगे;

हम समस्याओं तथा कपटपूर्ण कार्यकलापों की सूचना देने के लिए समस्या समाधान तथा पर्दाफाश तंत्र का प्रबंध करेंगे;

हम संबंधित पक्षों एवं समाज के अधिकारों तथा हितों का संरक्षण करेंगे;

#### **Integrity Pledge for Organizations**

We believe that corruption has been one of the major obstacles to economic, political and social progress of our country. We believe that all stakeholders such as Government, citizens and private sector need to work together to eradicate corruption.

We acknowledge our responsibility to lead by example and the need to put in place safeguards, integrity frameworks and code of ethics to ensure that we are not part of any corrupt practice and we tackle instances of corruption with utmost strictness.

We realize that as an Organization, we need to lead from the front in eradicating corruption and in maintaining highest standards of integrity, transparency and good governance in all aspects of our operations.

We, therefore, pledge that:

- We shall promote ethical business practices and foster a culture of honesty and integrity;
- We shall not offer or accept bribes;
- We commit to good corporate governance based on transparency, accountability and fairness:
- We shall adhere to relevant laws, rules and compliance mechanisms in the conduct of business:
- We shall adopt a code of ethics for all our employees;
- We shall sensitise our employees of laws, regulations etc. relevant to their work for honest discharge of their duties;
- We shall provide grievance redressal and Whistle Blower mechanism for reporting grievances and fraudulent activities;
- We shall protect the rights and interests of stakeholders and the society at large.





Telegraphic Address
-SATARKTA: New Delhi

E-Mail Address cenvigil@nic.in

Website www.cvc.nic.in

EPABX 24600200

吃研/Fax 24651186



## केन्द्रीय सतर्कता आयोग CENTRAL VIGILANCE COMMISSION



सतकंता भवन, जी.पी.ओ. कॉन्यलेक्स ब्लॅंक-ए आई एन.ए. नई दिल्ली-110023 Satarkta Bhawan, G.P.O. Complex, Block A. INA, New Delhi-110023

R / No 019 VGL 029

दिनांक / Dated 08.10.2020

#### MESSAGE

# Vigilance Awareness Week (27th October to 2nd November 2020)

The Commission observes the Vigilance Awareness Week to emphasize the importance of integrity in public life. We are fully committed to implement the policy of "Zero Tolerance against Corruption".

"सतके भारत. समृद्ध भारत - Satark Bharat, Samriddh Bharat (Vigilant India, Prosperous India)" has been chosen as the theme this year. Development and progress of the nation takes place when individuals and organisations are vigilant in safeguarding integrity as a core value.

The Commission believes that crizens and organisations must look inwards at a time when the world is facing an unprecedented crisis. All organisations may focus on improvement of internal processes and activities during this year. Systemic improvements may be carried out to improve the delivery of public services in all organisations. Training and capacity building of staff is an important component supporting this objective. We have been encouraging organisations to implement these imitatives.

The Commission appeals to all citizens to actively work towards promotion of integrity or all aspects of life for the progress of the country.

(Sharad Kurnar) Vigilance Commissioner (Suresh N. Patel) Vigilance Commissioner

(Sanjay Kothars) Central Vigilance Commonwealer

Section.







राजीव मेहरोत्रा

प्रिय साथियों,

आप सभी को मेरी शुभकामनाएं ।

वह सप्ताह जिसमें 31 अक्टूबर **सरदार वल्लभभाई पटेल** का जन्मदिवस आता है, उसे **हर वर्ष सतर्कता जागरूकता** सप्ताह के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष 27 अक्टूबर से 2 नवंबर-2020 तक मनाए जा रहे सतर्कता जागरूकता सप्ताह के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) ने "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय चुना है।

हम सभी यह जानते हैं कि भ्रष्टाचार हमारे विकास कार्यों में बाधक है और यह हमारी लोकतांत्रिक संस्थाओं को दुर्बल बनाता है। भ्रष्टाचार को खत्म करने का दायित्व केवल केंद्रीय सतर्कता आयोग और अन्य सतर्कता प्रशासनों तक ही सीमित नहीं है। भ्रष्टाचार मुक्त समाज/राष्ट्र का लक्ष्य केवल तभी प्राप्त किया जा सकता है जब प्रत्येक नागरिक भ्रष्टाचार के विरुद्ध खड़ा हो। तथापि, आम नागरिक भ्रष्टाचार के खिलाफ तभी लड़ पाएंगे जब उन्हें अपने अधिकारों, कर्तव्यों, नियमों और शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया आदि का पता हो। हर वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारणों, गंभीरता और भ्रष्टाचार से उत्पन्न ख़तरों के प्रति सार्वजनिक जागरूकता लाने और नागरिकों को व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार का मुकाबला करने के लिए संवेदनशील बनाने के लिए किया जाता है। निवारक सतर्कता हर कर्मचारी को सतर्क करने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। निवारक सतर्कता के एक भाग के तौर पर, राइट्स ने अप्रैल, 2019 में एचआरएम मैनुअल और कार्यों के लिए निर्माण परियोजना प्रबंधन पर दिशा-निर्देशों को संशोधित किया है एवं इन्हें समय-समय पर संशोधन और सुधार पर्चियों के माध्यम से अद्यतन किया जाता है। दिसंबर, 2019 से ई-ऑफिस को लागू किया गया है। स्पष्टता लाने के लिए हर स्तर पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है तािक स्वविवेक को समाप्त किया जा सके तथा यह समझाया जा सके कि नियमों का अक्षरशः पालन करना कितना आवश्यक है। भ्रष्टाचार मुक्त भारत के निर्माण के लक्ष्य को प्राप्त करने का दिन दूर नहीं है, यदि युवाओं को ईमानदारी, पारदर्शिता, निष्पक्ष व्यवहार और सभी को समान अवसर देने जैसे गुण आत्मसात् करा दिए जाएं।

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि सतर्कता जागरूक सप्ताह-2020 के दौरान मुख्य सतर्कता अधिकारी के मार्गदर्शन में राइट्स सतर्कता टीम कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रही है जिसमें वाक् प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रतियोगिता, लेक्चर, वेंडर्स के साथ बैठक और सतर्कता बुलेटिन को जारी करना शामिल है। मेरा आग्रह है कि सभी कर्मचारी इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें।

आइए इस अवसर पर, हम प्रतिज्ञा लें कि हम सब, हर समय सतर्क रहेंगे और ईमानदारी और सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्ध रहेंगे और भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में सहयोग देंगे ।

्राजीव मेह्रोत्रा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक







Rajeev Mehrotra

Dear Colleagues,

My greetings to all of you.

The week in which 31st October, the birthday of late **Sardar Vallabhbhai Patel** falls is observed as **Vigilance Awareness Week every year**. Central Vigilance Commission (CVC) has chosen "**Satark Bharat, Samriddh Bharat (Vigilant India, Prosperous India)**" as the main theme for this year's Vigilance Awareness Week, being observed from 27<sup>th</sup> October to 2<sup>nd</sup> November 2020.

As everyone realizes, corruption undermines our developmental efforts and weakens democratic institutions. The task to curb the corruption is not limited only to CVC and other vigilance administrations. The corruption free society/ nation can be achieved only when each citizen fights against corruption. However, the common citizens can fight against corruption only when they are aware of their rights, responsibilities, rules and procedures of redressal of complaints etc. Observance of Vigilance Awareness Week every year brings such public awareness regarding the existence, causes and gravity of and threat posed by corruption and sensitize citizens on how to combat corruption individually and also collectively. Preventive Vigilance plays important role to make every employee vigilant. As a part of Preventive Vigilance, RITES has revised the HRM Manual and Guidelines on Construction Project Management for works in April 2019 and the same are being updated by issuing amendments and correction slips from time to time. E-office has been implemented in Dec 2019. Trainings are being imparted at all levels to bring clarity so as to avoid personal discretion and underlining the importance that the rules are followed in their letter and spirit. The day to achieve the target of building corruption free New India is not far if the qualities like Honesty, Transparency, Fair dealings and equitable opportunities to all are inculcated in the young brains.

I am glad to note that RITES Vigilance Team under the guidance of Chief Vigilance Officer is organizing a number of programs including Elocution Competition, Essay writing Competition, Quiz, Poster competition, Lectures, Vendors' Meet and release of this vigilance bulletin, during the Vigilance Awareness Week-2020. I wish that all employees take an active participation in these activities.

On this occasion, let us pledge that we all will be vigilant and commit to highest standards of honesty and integrity at all times and support the fight against corruption.

Rajeev Mehrotra Chairman and Managing Director

Linewish







अशोक कुमार

इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अकृतूबर से 2 नवंबर 2020 तक केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय के साथ मनाया जा रहा है। भ्रष्टाचार के बुरे प्रभावों को हम सभी भली-भांति जानते हैं। यह हमारे विकास-कार्यों में बाधक है और लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करता है। यदि हम में से प्रत्येक व्यक्ति सतर्क हो तो जीवन के हर क्षेत्र से भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाया जा सकता है।

"अंततः, भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई केवल उसी सीमा तक सफल होगी जितना कि उसके अनुकूल सामाजिक वातावरण तैयार किया जाएगा। जब इस प्रकार के वातावरण का सृजन किया जाता है और जनता एवं लोकसेवकों के मन में भ्रष्टाचार के प्रति घृणा का भाव जाग उठता है तथा सामाजिक नियंत्रण प्रभावी हो जाते हैं, तो अन्य प्रशासनिक, अनुशासनात्मक और दंडात्मक उपाय इतने महत्वपूर्ण नहीं रह जाते हैं और उन्हें शिथिल एवं न्यूनतम किया जा सकता है"।

भारतीय समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार की बुराइयों के महत्वपूर्ण पहलुओं का अध्ययन करने के लिए वर्ष 1962 में गठित संथानम सिमित ने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में समाज की भूमिका के बारे में उपरोक्त टिप्पणियां की थीं, जो आज भी सच हैं। नागरिकों और सामाजिक संस्थाओं के सिक्रय सहयोग और भागीदारी के बिना, केवल भ्रष्टाचार विरोधी एजेंसियों के प्रयासों से सत्यनिष्ठा को प्रोत्साहित एवं भ्रष्टाचार का उन्मूलन नहीं किया जा सकता है।

प्रत्येक वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करना सतर्कता विंग के प्रयासों का एक हिस्सा है तािक कर्मचारी और आम जनता सतर्क रहे। राइट्स सतर्कता विंग सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2020 के अवसर पर वाक् प्रतियोगिता, निबंध लेखन प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर प्रतियोगिता, व्याख्यान, विक्रेता-बैठक एवं इस सतर्कता बुलेटिन के प्रकाशन सहित कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है।

हमने इस सतर्कता बुलेटिन में निवारक जाँचों के अपने अनुभव के आधार पर केस अध्ययन के साथ-साथ कुछ लेख और किवताएं शामिल की हैं। मुझे उम्मीद है कि यह बुलेटिन राइट्स के युवा वर्ग को सतर्क रहने और भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करेगा। मुझे उम्मीद है कि हमारे संगठन के विरष्ठ अधिकारी स्वयं को ईमानदारी के उच्चतम मानकों के एक उदाहरण के रूप में स्थापित करेंगे ताकि युवा वर्ग उनसे सीख लें और प्रेरित हों।

हमें सतर्कता जागरूकता सप्ताह की गतिविधियों के बारे में आपकी सहज प्रतिक्रियाओं की प्रतीक्षा रहेगी ताकि हम 2021 के सतर्कता जागरूकता सप्ताह को और बेहतर बना सकें।

> अशोक कुमार मुख्य सतर्कता अधिकारी







Ashok Kumar

Vigilance Awareness Week is being observed this year from 27<sup>th</sup> October to 2<sup>nd</sup> November 2020 with the theme of "Satark Bharat, Samriddh Bharat (Vigilant India, Prosperous India)" as per the directives of Central Vigilance Commission. The evil effects of corruption are well known to all of us. It undermines our developmental efforts and weakens democratic institutions. Corruption from every walk of life can only be rooted out if each one of us is vigilant.

"In the long run, the fight against corruption will succeed only to the extent of which a favourable social climate is created. When such a climate is created and corruption becomes abhorrent to the minds of the public and the public servants and social controls become effective, other administrative, disciplinary and punitive measures may become unimportant and may be relaxed and reduced to a minimum". The Santhanam Committee set up in the year 1962 to study important aspects on the evils of corruption in Indian society made the above observations about the role of society at large in the fight against corruption, which holds true to the day. Promoting integrity and eradication of corruption cannot be achieved only by the efforts of anti-corruption agencies, without the active support and participation of the citizen and social institutions.

Conducting Vigilance Awareness Week every year is one of the endeavours of Vigilance wing to make employees and public at large to be vigilant. RITES Vigilance is organizing number of programs including Elocution Competition, Essay writing Competition, Quiz, Poster competition, Lectures, Vendor's Meet and release of this vigilance bulletin to commemorate Vigilance Awareness Week, 2020.

We have included case studies based on our experience of preventive checks, some articles and poems in this vigilance bulletin. I hope that this bulletin will inspire young professionals of RITES to be vigilant and play their role in the fight against corruption. I expect senior officers of our organization to set themselves as an example for highest standards of probity so that the young professionals can look up to them and get inspired. A genuine feedback about the activities of Vigilance Awareness Week from one and all will be highly appreciated for better performance during Vigilance awareness Week of 2021.

Ashok Kumar Chief Vigilance Officer







अनिल विज

इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह 27 अक्टूबर से 2 नवंबर 2020 तक सीवीसी के निर्देशों के अनुसार "सतर्क भारत, समृद्ध भारत" विषय के साथ मनाया जा रहा है।

भ्रष्टाचार विभिन्न रूपों में प्रकट होता है जैसे रिश्वतखोरी; भाई-भतीजावाद, किसी ज्ञात या अज्ञात व्यक्ति को लाभ पहुंचाने या लाभ से वंचित रखने के लिए जान-बूझकर की गई कार्रवाई या निष्क्रियता; पक्षपात; निर्धारित प्रक्रियाओं का पालन करने में विफलता जिसके फलस्वरूप किसी को अनायास लाभ मिलना या पात्र व्यक्ति का लाभ से वंचित रह जाना। भ्रष्टाचार आर्थिक विकास, लोकतंत्र, सामाजिक विकास, पर्यावरण, लोगों के स्वास्थ्य और बहुत सी अन्य चीजों पर दुष्प्रभाव डालता है। इसलिए, यह जरूरी है कि भ्रष्टाचार के निराकरण के प्रयासों के प्रति जनता को जागरूक और प्रेरित किया जाए। हमारे सामने एक ऐसा वातावरण तैयार करने की चुनौती है जिसमें ईमानदार निडर होकर काम कर सकें और भ्रष्टाचारियों को तुरंत और पर्याप्त रूप से दंडित किया जाए।

मुख्य सतर्कता अधिकारी के मार्गदर्शन में राइट्स की सतर्कता इकाई भ्रष्टाचार के बुरे प्रभावों के बारे में जागरूकता लाने के लिए और भ्रष्टाचार के विरूद्ध लड़ाई में सतर्कता बरतने के लिए विभिन्न कार्यकलाप कर रही है।

नियमों और प्रक्रियाओं का निर्धारण न करने से या नियमों और प्रक्रियाओं में स्पष्टता न होने के कारण व्यक्तिगत विवेक की गुंजाइश होती है और ऐसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं जिनसे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलता है। इसे रोकने के लिए, सतर्कता विभाग द्वारा की गई टिप्पणियों के आधार पर प्रणालीगत सुधार किए गए हैं और समय-समय पर आवश्यक परिपत्र जारी किए गए हैं, जिससे निदेशक तकनीकी के अधीन विभिन्न डिवीजनों में निरीक्षण और कार्य प्रक्रियाओं में अधिक स्पष्टता और पारदर्शिता आई है।

मेरा आग्रह है कि हम में से प्रत्येक व्यक्ति उन कमियों की पहचान करके सतर्क हो जाए जो कदाचार और भ्रष्टाचार के लिए अवसर प्रदान करती हैं ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके। इस बुलेटिन के प्रकाशन के लिए मुख्य सतर्कता अधिकारी और टीम के प्रयास सराहनीय हैं।

्य । अनिल विज निदेशक तकनीकी







Anil Vij

Vigilance Awareness Week is being observed this year from 27<sup>th</sup> October to 2<sup>nd</sup> November 2020 with the theme of "Satark Bharat, Samriddh Bharat (Vigilant India, Prosperous India)" as per the directives of CVC.

Corruption manifests itself in various forms such as bribery; nepotism; wilful action or inaction to benefit someone or to deny benefit to someone known or unknown; favouritism; failure to follow laid down processes leading to unintended benefit to someone or denial of benefit to the deserving. Corruption undermines economic development, democracy, social development, environment, people's health and much more. It is, therefore, imperative that the public be sensitized and motivated towards efforts at weeding out corruption. The challenge before us is to create an environment in which the honest can work fearlessly and the corrupt are punished promptly and adequately.

RITES' vigilance unit under the guidance of Chief Vigilance Officer is undertaking various activities to bring about awareness regarding the evil effects of corruption and on how one needs to be vigilant in the fight against corruption.

Not having laid down rules and procedures or having ambiguous rules and procedures leaves scope for personal discretion and can lead to situations which may encourage corruption. To plug this, systemic improvements have been undertaken and necessary circulars have been issued from time to time bringing about more clarity and transparency in Inspection and work procedures in the various divisions under Director Technical, based on Vigilance observations.

I urge that each one of us becomes vigilant by identifying deficiencies which provide opportunities for malpractices and corruption so that such occurrences can be curbed. Efforts of CVO and team in bringing out this bulletin are commendable.

Anil Vij Director Technical







वी. गोपी सुरेश कुमार

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि राइट्स का सतर्कता विभाग, केंद्रीय सतर्कता आयोग के विनिर्देशों के अनुसार 27 अक्टूबर से 2 नवंबर, 2020 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन कर रहा है जिसका विषय 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' है।

हर वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन करना मुख्य सतर्कता आयोग के बहु-आयामी दृष्टिकोण का हिस्सा है जिसका उद्देश्य सभी हितधारकों को सामूहिक रूप से भ्रष्टाचार की रोकथाम और इसके विरूद्ध लड़ाई में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना और भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारणों, गंभीरता और खतरे के बारे में सार्वजिनक जागरूकता बढ़ाना है। राइट्स का सतर्कता विभाग, सतर्कता जागरूकता सप्ताह में इस सतर्कता बुलेटिन को प्रकाशित करने के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर रहा है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई कई मोर्चों पर लड़ी जा रही है। एक निगरानी तंत्र जिसे अक्सर सतर्कता प्रशासन के रूप में जाना जाता है, इस लड़ाई में सबसे आगे है। सतर्कता को जागरूकता और सजगता के रूप में जाना जाता है। सतर्कता प्रशासन िकसी भी संस्थान का उसी प्रकार अभिन्न अंग होता है, जिस प्रकार प्रबंधन के अन्य विभाग जैसे वित्त, कार्मिक, परिचालन, विपणन, सामग्री और अनुबंध आदि। यदि किसी संस्थान में सतर्कता सेट-अप प्रभावकारी है तो निश्चित रूप से इससे अन्य खंड भी अपना कार्य कुशलता से करते हैं। सतर्कता प्रशासन में भ्रष्टाचार निवारक और दंडात्मक विरोधी उपायों का समावेश हैं। इसमें अनियमितताओं का पता लगाना, इन अनियमितताओं का विश्लेषण करना और उनके घटित होने के कारणों का पता लगाना तथा उनको रोकने के लिए प्रभावी प्रणाली लागत सुधार करना शामिल है। यह कदाचार के लिए जिम्मेदार लोक सेवकों की पहचान करता है और उनके विरूद्ध प्रभावी दंडात्मक कार्रवाई करता है।

यह सही है कि अनियमितताओं और कदाचार के लिए 'दंडात्मक कार्रवाई' बहुत आवश्यक है, किंतु इसकी तुलना में 'निगरानी' और 'निवारक उपाय' अधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे सतर्कता की घटनाओं में कमी आती है। परहेज इलाज से बेहतर होता है। निवारक सतर्कता को अधिक प्रभावशील बनाने के लिए, राइट्स ने दैनिक गतिविधियों से निपटने के लिए नियम, प्रक्रियाएं, नियमावली और शक्तियों की अनुसूची निर्धारित की है। राइट्स ने मानक निवदा डॉक्यूमेंट्स जारी किए है। सुधार पर्चियों के माध्यम से इन डॉक्यूमेंट्स में नियमित रूप से सुधार किया जाता है। इन सभी डॉक्यूमेंट्स के कारण स्वविवेक और मनमानी में कमी आती है और परिणामस्वरूप भ्रष्टाचार पर लगाम लगती है। सीवीसी अथवा सतर्कता विभाग द्वारा जांच-पड़ताल के दौरान पाई गई किमयों को दूर करने के लिए हमें, निरंतर नियमों में सुधार और सरलीकरण एवं स्वविवेक को कम करने के लिए प्रयासरत रहना होगा। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए हमने ई-प्रोक्योरमेंट, ई-पर्चेजिंग, ई-पेमेंट्स और ई-ऑफिस को लागू किया है।

मैं, मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं उनकी टीम को इस सप्ताह के दौरान की जाने वाली गतिविधियों और इस बुलेटिन के प्रकाशन के लिए किए गए प्रयासों के लिए बधाई देता हूं। मैं सभी कर्मचारियों से आग्रह करता हूं कि आप सार्वजनिक जीवन में सत्यिनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को वर्ष भर जारी रखें।

वी. गोपी सुरेश कुमार निदेशक परियोजना







V. Gopi Suresh Kumar

I am glad to know that Vigilance Wing of RITES is organizing vigilance awareness week from 27th October to 2nd November 2020 with theme "Satark Bharat, Samriddh Bharat (Vigilant India, Prosperous India)" as per the directives of Central Vigilance Commission.

Observing Vigilance Awareness Week every year is part of the multi-pronged approach of CVC to encourage all stakeholders to collectively participate in the prevention of and the fight against corruption and to raise public awareness regarding the existence, causes and gravity of and threat posed by corruption. RITES Vigilance is organizing various activities including publication of this Vigilance Bulletin during vigilance awareness week.

The battle against corruption is fought on many fronts. An oversight mechanism often referred to as vigilance administration is at the forefront of this battle. Vigilance is defined as watchfulness and alertness. Vigilance administration in any organisation is an integral function like any other function of management, such as finance, personnel, operation, marketing, material, and contracts, etc. If the vigilance set-up is effective in an organisation, it will certainly ensure the functioning of the other segments in an efficient way. Vigilance administration comprises preventive and punitive anticorruption measures. It includes detecting irregularities, analysing and finding out reasons for such irregularities and making effective systemic improvements to curb them. It also entails identifying the public servants responsible for misconduct and taking appropriate punitive actions.

While 'punitive action' for misconduct and other malpractices is certainly important, 'surveillance' and 'preventive measures' are comparatively more important as these are likely to reduce the occurrence of vigilance cases. Prevention is better than cure. To make preventive vigilance more effective, RITES has laid down rules, procedures, manuals and Schedule of Powers to deal with various day to day activities. RITES has also issued standard Tender documents. Continuous updating of these documents through correction slips is also undertaken regularly. All these documents, together, reduce the discretion and arbitrariness and result in eradication of corruption. We should strive for continuous improvement and simplification of rules and technological intervention to reduce the discretion wherever any gaps are found during checks by CVC or Vigilance. In this direction, we have moved forward by implementing E-Procurement, E-Purchasing, E-Payments and E-office.

I congratulate CVO and his team for their efforts for undertaking the activities during the week and for bringing out this bulletin. I will urge upon all the employees to continue their commitment towards highest standards of probity in public life, throughout the year.

V. Gopi Suresh Kumar Director Projects







बी पी नायक

इस वर्ष केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा घोषित विषय 'सतर्क भारत, समृद्ध भारत' है। भ्रष्टाचार दीमक की तरह है जो हुमारे समाज की जुड़ों को खोखला कर रहा है और राष्ट्र के विकास के लिए सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों को निष्फल बना रहा है। सीवीसी भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरू कता फैलाने के लिए लगातार कार्य कर रहा है लेकिन इस उद्देश्य में सफलेता तब ही मिल सकती है जब हमारे महान देश का प्रत्येक नागरिक सतर्क हो और भ्रष्टांचार के खिलाफ लड़ाई में साथ आए। वित्तीय स्तर पर राइट्स सराहनीय प्रगति कर रहा है और स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध है, इसलिए राइट्स का कोई भी भ्रष्टाचार का मामला बाजार में कंपनी की साख पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। राइट्स सतर्कता विभाग भ्रष्टाचार को खत्म करने के लिए हर संभव कदम उठा रहा है और हम सब को अपने कार्य निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से करने चाहिए ताकि भविष्य में हमारा देश भ्रष्टाचार हो सके।

मैं प्रसन्न हूँ कि राइट्स सतर्कता विभाग कई कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है और सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2020 में इस सतर्कता बुलेटिन को भी प्रकाशित कर रहा है। मैं मुख्य सतर्कता अधिकारी और उनकी टीम को उनके प्रयासों और इस बुलेटिन के संकलन के लिए शुभकामनाएं देता हूं। मुझे पूरा विश्वास है कि राइट्स की विभिन्न व्यवसायिक गतिविधियों से जुड़े अधिकारियों को इससे काफी व्यावहारिक सहायता मिलेगी।

बिभु प्रसाद नायक

निदेशक वित्त







B. P. Nayak

This year the theme declared by the Central Vigilance Commission is "Satark Bharat, Samriddh Bharat (Vigilant India, Prosperous India)". Corruption is like termite which is eating the roots of our society and is nullifying the efforts of our Government in the development of nation. CVC is constantly making efforts to spread awareness against corruption but the goal can only be achieved when each citizen of our great nation becomes vigilant and joins hands in fight against corruption. RITES is making excellent progress in terms of its financials and has also been listed in the stock exchange, therefore, any case of corruption from RITES will adversely affect the company in the market. RITES Vigilance is making every effort to keep corruption at bay and we all should work in fair and transparent manner so that our country will become corruption free in near future.

I am happy that RITES Vigilance is undertaking number of activities and is also bringing out this Vigilance Bulletin in connection with Vigilance Awareness Week 2020. I congratulate CVO and his team for their efforts and compiling the bulletin. I am sure that it will be of immense practical help for the officers engaged in various business activities of RITES.

B. P. Nayak Director Finance





# No. 004/VGL/18 Government of India Central Vigilance Commission \*\*\*\*\*\*\*\*

Satarkata Bhawan, Block-A, GPO Complex, INA, New Delhi-110023. Dated:13th April,2004

Office Order No. 23/04/04 (read with modification vide office Order No. 74/12/05)

#### Subject: Vigilance angle - definition of.

As you are aware, the Commission tenders advice in the cases, which involve a vigilance angle. The term "vigilance angle" has been defined in the Special Chapters for Vigilance Management in the public sector enterprises, public sector banks and public sector insurance companies. The matter with regard to bringing out greater quality and precision to the definition has been under reconsideration of the Commission. The Commission, now accordingly, has formulated a revised definition of vigilance angle as under:

#### "Vigilance angle is obvious in the following acts: -

- i. Demanding and/or accepting gratification other than legal remuneration in respect of an official act or for using his influence with any other official.
- ii. Obtaining valuable thing, without consideration or with inadequate consideration from a person with whom he has or likely to have official dealings or his subordinates have official dealings or where he can exert influence.
- iii. Obtaining for himself or for any other person any valuable thing or pecuniary advantage by corrupt or illegal means or by abusing his position as a public servant.
- iv. Possession of assets disproportionate to his known sources of income.
- v. Cases of misappropriation, forgery or cheating or other similar criminal offences.
- 2(a)\*\* There are, however, other irregularities where circumstances will have to be weighed carefully to take a view whether the officer's integrity is in doubt. Gross or willful negligence; recklessness in decision making; blatant violations of systems and procedures; exercise of discretion in excess, where no ostensible/public interest is evident; failure to keep the controlling authority/superiors informed in time these are some of the irregularities where the disciplinary authority with the help of the CVO should carefully study the case and weigh the circumstances to come to a conclusion whether there is reasonable ground to doubt the integrity of the oficer concerned.
- 2(b) Any undue/ unjustified delay in the disposal of a case, perceived after considering all relevant factors, would reinforce a conclusion as to the presence of vigilance angle in a case.

#### \*\*as modified vide Office Order No. 74/12/05 dated the 21/12/05.

- 3. The raison d'être of vigilance activity is not to reduce but to enhance the level of managerial efficiency and effectiveness in the organization. Commercial risk taking forms part of business. Therefore, every loss caused to the organization, either in pecuniary or non-pecuniary terms, need not necessarily become the subject matter of a vigilance inquiry. Thus, whether a person of common prudence, working within the ambit of the prescribed rules, regulations and instructions, would have taken the decision in the prevailing circumstances in the commercial/operational interests of the organization is one possible criterion for determining the bonafides of the case. A positive response to this question may indicate the existence of bonafides. A negative reply, on the other hand, might indicate their absence.
- 4. Absence of vigilance angle in various acts of omission and commission does not mean that the concerned official is not liable to face the consequences of his actions. All such lapses not attracting vigilance angle would, indeed, have to be dealt with appropriately as per the disciplinary procedure under the service rules.
- The above definition becomes a part of the Vigilance Manual and existing Special Chapter on Public Sector Banks and Public Sector Enterprises brought out by the Commission, in supersession of the existing definition.

CVOs may bring this to the notice of all concerned.

Sd/-(Anjana Dube) Deputy Secretary





# सिविल इंजीनियरिंग कार्यों में पाई गई अनियमितताओं के मामलों का अध्ययन CASE STUDIES OF IRREGULARITIES FOUND IN CIVIL ENGG WORKS

# 1. बी ओ क्यू मद में दिए गए प्रावधान के विरूद्ध सैद्धांतिक मात्रा के आधार पर भुगतान

राइट्स द्वारा निष्पादित अनुबंधों में से एक में राइट्स सतर्कता ने पाया कि बी ओ क्यू में सीमेंट आपूर्ति के भुगतान को एक अलग मद के रूप में शामिल किया गया था। तथापि, कार्य के निष्पादन के दौरान एजेंसी को प्रोजेक्ट साइट से थोड़ी दूर स्थापित बैचिंग प्लांट से तैयार मिक्स कंक्रीट का उपयोग करने की अनुमति दी गई थी। बीओक्यू के प्रासंगिक मद के खिलाफ सीमेंट की आपूर्ति का भुगतान कंक्रीट के विभिन्न ग्रेडों के लिए सीमेंट की सैद्धांतिक खपत के आधार पर किया गया था। इस मामले में सीमेंट की वास्तविक खपत के लिए कोई रिजस्टर नहीं रखा गया था क्योंकि सीमेंट की खरीद थोक में की गई थी और सीमेंट बैचिंग प्लांट का उपयोग कंक्रीट की आपूर्ति के लिए और साथ ही कुछ अन्य निर्माण कार्यों के लिए भी किया गया था।

निर्माण/अनुबंध प्रबंधन से संबंधित सभी इंजीनियरों/अधिकारियों को बी ओ क्यू मद के संचालन और भुगतान जारी करने में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि उपरोक्त मामले में बताए अनुसार चूक से बचा जा सके।

# 1. Release of payment based on theoretical quantity in contradiction to provision given in BOQ item

RITES vigilance has observed in one of the contracts executed by RITES that separate item for payment of cement supply was included in the BOQ. However, during execution of the work the agency was allowed to use ready mix concrete sourced from batching plant established slightly away from the project site. The payment for cement supply against relevant item of BOQ was made based on the theoretical consumption of cement for various grades of concrete. In this case no register was maintained for actual consumption of cement as cement was procured in bulk and the cement batching plant was used for supply of concrete to the subject work as well as to some other works also.

All engineers/ officers dealing with construction/ contract management should be careful in operation of BOQ items and release of payment to avoid lapses as explained in above case.





# 2. निर्माण कार्य के आसपास सामग्रियों तथा विनिर्देशों के ब्रांडों की उपलब्धता का पता लगाए बिना सामग्रियों तथा विनिर्देशों के ब्रांडों को निविदा दस्तावेजों में निर्दिष्ट किया गया था.

निर्माण कार्यों में से एक कार्य के निरीक्षण के दौरान, राइट्स सतर्कता विभाग ने पाया कि कार्य में उपयोग किए गए स्टोनवेयर पाइप अनुबंध में निर्दिष्ट अनुमोदित ब्रांडों से अलग ब्रांड के थे और ब्रांड को प्रतिस्थापित करने के लिए यह कारण बताया गया था कि क्षेत्र में अनुमोदित ब्रांडों के पाइप उपलब्ध नहीं थे। इसी तरह, ईंटों की मजबूती अनुबंध में डीएसआर मद में निर्दिष्ट से काफी कम पाई गई। आगे की पूछताछ में, यह पाया गया कि स्थानीय मिट्टी की गुणवत्ता ऐसी थी कि जिसके परिणामस्वरूप ईंटों की संपीड़क मजबूती (कम्प्रेसिव स्ट्रेंथ) कम हो गई थी।

यह देखा गया है कि निविदा दस्तावेज तैयार करते समय, परियोजना समन्वयक ने निर्धारित विनिर्देशों या निर्दिष्ट ब्रांडों की सामग्री की उपलब्धता पर विचार नहीं किया। इसके परिणामस्वरूप कार्य निष्पादन के दौरान सामग्री के ब्रांडों/विनिर्देशनों में विचलन हुआ और निविदा के प्रारंभिक चरण से ही ऐसी स्थितियों से बचा जाना चाहिए।

सभी परियोजना समन्वयकों को सलाह दी जाती है कि वे निविदा अनुमोदन प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले, यह सुनिश्चित कर लें कि निर्दिष्ट किए गए ब्रांड का निर्माण परियोजना क्षेत्र के आसपास के क्षेत्र में किया जा रहा है तथा यह वहां उपलब्ध है। इसके अलावा, यदि क्षेत्र में उपलब्ध सामग्री/मदें मानक अनुसूचियों जैसे डीएसआर और एसओआर आदि में निर्दिष्ट किए गए के अनुरूप नहीं हैं, तो बीओक्यू में ऐसी मद की नामावली को तकनीकी स्वीकार्यता मानदंड के अधीन स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्रियों/वस्तुओं के अनुरूप तैयार किया जाए।

# 2. Brands of Materials and Specifications were Specified in the Tender Documents without ascertaining availability in the Vicinity of Works

During inspection of one of the works, RITES Vigilance Department has observed that the stoneware pipes used in the work were of a brand different from the approved brands specified in the contract and the reason given for substituting the brand was unavailability of pipes of approved brands in the area. Similarly, the strength of bricks was found to be much less than that specified in the DSR item in the contract. On further inquiry, it emerged that the quality of local clay was such that it resulted in compressive strength of bricks to be low.

It has been noticed that while preparing the tender document, Project Coordinator did not consider the availability of materials of stipulated specifications or of specified brands. This resulted in deviations in the brands/specifications of materials during execution of work and such situations must be avoided from initial stage of tendering itself.

All Project Coordinators are advised to ensure that brands specified are being manufactured and available in the vicinity of the project area, before putting up to Tender Approving Authority. Further, in case materials/items available in the area do not conform to those specified in Standard Schedules like DSR and SOR etc, the nomenclature of such item in BOQ shall be drafted to suit the locally available materials/items subject to technical acceptability criteria.





# 3. एक कार्य की गहन जांच के दौरान, राइट्स सतर्कता कक्ष द्वारा निम्नलिखित विसंगति पाई गईं:

निविदा के बीओक्यू में सभी लीड से मिट्टी की आपूर्ति सिहत तटबंध में मिट्टी भरने के लिए मदों का उल्लेख किया गया है। खुदाई के क्षेत्र से तटबंध तक खुदाई वाली मिट्टी लाने के लिए अलग-अलग लीड के भुगतान के लिए बीओक्यू में एक अन्य मद है।

चूंकि पहली मद में सभी लीड के लिए मिट्टी की आपूर्ति भी शामिल है, इसलिए अलग-अलग लीड के लिए भुगतान करने के लिए एक अलग मद के प्रावधान की कोई आवश्यकता नहीं थी।

इससे काम की अनुमानित लागत में रु. 6.73 करोड़ की वृद्धि हुई। आकलन तैयार करने वाले सभी इंजीनियरों और अधिकारीयों को सावधान रहना चाहिए ताकि ऊपर बताई गई चूक न होने पाएं।

# 3. During the Intensive Examination of one of the works, RITES Vigilance Cell observed the following discrepancy:

The BOQ of Tender contains item for Filling of earth in embankment including supply of earth from all leads. There is another item in the BOQ for payment for different leads to bring excavated earth from area of excavation to embankment.

Since the first item is inclusive of supply of earth for all leads, there was no need of providing a separate item for paying for different leads.

This resulted in increase in estimated cost of work by Rs. 6.73 Crores. All the engineers and officers involved in preparation of estimates should be careful to avoid the lapses as explained above.





# निरीक्षण में पाई गई अनियमितताओं के मामलों का अध्ययन CASE STUDIES OF IRREGULARITIES FOUND IN INSPECTION

# निरीक्षण इंजीनियर द्वारा घटिया सामग्री को गलत तरीके से पारित किया जाना

- 1. सतर्कता विभाग में एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें यह आरोप लगाया गया था कि: -
  - ।) रेलवे को फर्जी स्नेहकों (लुब्रिकेंट) की आपूर्ति की जा रही है।
  - ा) निरीक्षण के दौरान, राइट्स में परीक्षण के लिए जाली तकनीकी डाटा शीट प्रस्तुत की गई थी।
  - III) इन स्नेहकों का परीक्षण करने के लिए आपूर्तिकर्ताओं द्वारा कोई परीक्षण नहीं किया गया था।
  - ıv) आपूर्तिकर्ता रेलवे और आरडीएसओ की अनुमोदित सूची में नहीं था।

जांच के दौरान उपरोक्त आरोप साबित नहीं हुए थे, लेकिन निरीक्षण मामले के कागजात से, यह देखा गया कि : -

- 1. निरीक्षण इंजीनियर (आईई) ने प्रयोगशाला परीक्षण अनुरोध में "सभी संभावित परीक्षणों" का उल्लेख किया था और प्रयोगशाला ने केवल वे ही परीक्षण किए थे जिनके लिए उनके पास परीक्षण सुविधाएं / उपकरण हैं। निरीक्षण इंजीनियर ने सभी परीक्षणों को किए बिना निरीक्षण प्रमाणपत्र जारी किया था।
- 2. निरीक्षण इंजीनियर ने लागू खरीद आदेश विनिर्देश में उल्लिखित कुछ परीक्षणों के लिए निर्दिष्ट मापदंडों के न्यूनतम / अधिकतम मूल्यों और परीक्षण विधियों के संबंध में क्रय प्राधिकरण से कोई स्पष्टीकरण / तकनीकी परामर्श प्रापत नहीं किया था।
- 3. निरीक्षण इंजीनियर ने घटिया सामग्री को गलत तरीके से पारित किया था जिसमें लैब रिपोर्ट के अनुसार इसमें इसका एक गुण कम पाया गया और निरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करने से पहले इसकी पुन: पुष्टि नहीं की गई थी.

#### शिक्षा:

- (i) यदि खरीद विनिर्देश में विनिर्दिष्ट मापदंडों के परीक्षण के तरीकों और न्यूनतम अधिमान को निर्दिष्ट नहीं किया गया हो तो खरीददार से तकनीकी परामर्श लिया जाए.
- (ii) निरीक्षण इंजीनियर को निरीक्षण प्रमाण पत्र जारी करने से पहले प्रयोगशाला की रिपोर्ट की पुन: पुष्टि करनी चाहिए।





#### INFERIOR MATERIAL WRONGLY PASSED BY INSPECTING ENGINEER

- Complaint was received in Vigilance wherein it was alleged that :-
  - I) Fraudulence lubricant is being supplied to Railways.
  - II) During inspection, forged technical data sheet was submitted for testing in RITES.
  - III) No testing was carried out by suppliers to test these lubricants.
  - IV) Supplier was not in approved list of Railways and RDSO.

During investigation the above charges were not proved but from inspection case papers, it was observed that:-

- Inspecting Engineer (IE) had mentioned "All Possible Tests" in the lab test request and lab had conducted only those tests for which they have test facilities/equipments. IE had issued Inspection Certificate without conducting all tests.
- 2. Inspecting Engineer had not taken any clarification /Technical reference from Purchasing Authority in respect of Minimum/Maximum values of specified parameters and Test Methods for some tests as mentioned in the applicable Purchase Order Specification.
- Inspecting Engineer had wrongly passed the sub-standard material which failed in the one of the properties as per Lab report without reaffirming the same before issue of Inspection Certificate.

#### Lesson:-

- (i) Technical Reference has to be made to Purchaser if the Purchase Specification do not state the Test Methods and Min./Max values of specified parameters.
- (ii) Inspecting Engineer should reaffirm lab report before issue of Inspection Certificate.





# 2. वेंडर द्वारा धोखाधड़ी/छल-कपट

घटिया "एल्युमीनियम वेल्डिंग केबल" सामग्री की आपूर्ति के संबंध में रेलवे से एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसका राइट्स द्वारा पूर्व निरीक्षण किया गया था.

रेलवे सतर्कता विंग द्वारा प्रारंभिक जांच के दौरान और बाद में उपलब्ध लॉट के लिए प्राप्तकर्ता (कंसाइनी) के यहां आयोजित संयुक्त निरीक्षण के बाद देखा गया कि एल्यूमीनियम कंडक्टर केबल की प्रति मीटर लंबाई का भार और केबल की पूरी लंबाई में स्ट्रैंड्स की संख्या एक समान नहीं है. वेंडर ने केबल की पूरी लंबाई (100 मीटर) में कॉइल्स रोल्स में स्ट्रैंड्स की संख्या में हेरफेर किया था जैसे 16 मीटर के बाद स्ट्रैंड्स की संख्या 553 से 632 नंबर पाई गई, जबिक वेल्डिंग केबल के अंत में स्ट्रैंड्स की संख्या 1075 से 1102 नंबर थी तािक केबल के निरीक्षण के दौरान इसका पता न लगाया जा सके क्योंिक केबलों के वजन और कंडक्टर प्रतिरोध का परीक्षण कॉइल्स के अंत में किया गया था.

जांच के दौरान पाया गया कि राइट्स के निरीक्षण अभियन्ता ने कॉइल के अंत से 1.5 मीटर का नमूना लिया था। हालांकि, परीक्षण विधि आईएस: 10810 (भाग 5) 1984 के अनुसार 25 एमएम से अधिक आकार के सभी स्ट्रैंडड या सेक्टर आकार के ठोस कंडक्टर के लिए कंडक्टर प्रतिरोध ड्रम लंबाई (संपूर्ण या पूरी लंबाई) या 10 मीटर लंबाई पर मापा जाना होता है जबिक राइट्स के निरीक्षक इंजीनियर ने कॉइल के अंत से केवल 1.5 मीटर नमूना लिया था. यदि विनिर्देश में दिए गए अनुसार कंडक्टर प्रतिरोध की माप विधि को अपनाया गया होता तो कंडक्टर प्रतिरोध दोगुना पाया जाता और राइट्स निरीक्षण के दौरान ही सामग्री को अस्वीकृत कर दिया जाता.

शिक्षाः राइट्स निरीक्षक इंजीनियर को पीओ विनिर्देश में दिए गए अनुसार सैम्पलिंग, परीक्षण विधियों और निरीक्षण प्रक्रियाओं का कड़ाई से पालन करना चाहिए.

# 2. Cheating/ Manipulation by Vendor

A complaint was received from Railways regarding supply of sub standard material of "Aluminium Welding Cable" which was pre inspected by RITES.

During preliminary check by Railway Vigilance and subsequent Joint Inspection conducted at Consignee end for the available lot, it was observed that weight of the aluminium conductor cable per meter length and the number of strands is not uniform throughout the length of cable. Vendor has manipulated the number of strands in entire length of cable (100 mtrs.) in coil rolls i.e. number of strands after 16 meters were found 553 to 632 numbers whereas at the end of welding cable number of strands were found 1075 to 1102 numbers so that it could not be detected during inspection of cable as weight and conductor resistance of the cables were tested at the end of coils.

During investigation, it was observed that RITES Inspecting Engineer had taken 1.5 mtrs. sample from end of coil. However, as per test method IS:10810 (part 5)1984 for all stranded or sector shaped solid conductors greater than 25 mm² size, the conductor resistance is to be measured on drum length (entire or full length) or on 10 mtrs length whereas RITES Inspecting engineer had drawn 1.5 mtrs of sample from end of coil. If the method of measurement of conductor resistance as mentioned in the specification been adopted, then conductor resistance would have been observed double and the material should have been rejected during RITES inspection itself.

**Lesson**: RITES Inspecting Engineer should strictly follow sampling, test methods and inspection procedure as mentioned in PO specification.





# 3. निरीक्षण मामलों में सामान्य अनियमितताएं

आकस्मिकनिवारक जांच और शिकायतों की जांच के दौरान, निरीक्षक इंजीनियरों द्वारा की गई निम्नलिखित विसंगतियां पाई गई:-

प्रस्तावित सामग्री की पूरी मात्रा सुनिश्चित किए बिना निरीक्षण की शुरूआत.

2. फर्म के परिसर से बाहर जाने से पहले पूरे लॉट पर सीलिंग की कार्यवाही पूरी न करना.

- 3. आईबीएस प्रणाली में स्वीकृत चेकशीट उपलब्ध होने के बावजूद प्रस्तावित निरीक्षण सामग्री के लिए इसे उपयोग में न लाना.
- वर्तमान में चल रहे निरीक्षण कार्य के निरीक्षण केस दस्तावेज़ को प्रस्तुत न कर पाना.

आईबीएस में बिना दिनांक और समय के फोटोग्राफ अपलोड करना.

6. आंतरिक प्रयोगशाला रिपोर्ट की जांच ठीक से नहीं की गई और घटिया साम्रगी को भी पारित कर दिया जबिक इसे आंतरिक प्रयोगशाला की रिपोर्ट में विनिर्देशों के अनुरूप नहीं पाया गया था.

7. निरीक्षण के दौरान फर्म द्वारा प्रस्तुत आंतरिक पेपर्स का पीओ विनिर्देशनों की आवश्कता के अनुसार न होना.

लागू सैम्पलिंग प्लान के अनुसार सैम्पलिंग न करना.

9. चेक्शीट में नमूनों की कम संख्या के आयामों को रिकॉर्ड करना.

10. पीओ/विनिर्देशन में अस्पष्टता के मामले में स्पष्टीकरण प्राप्त न करना.

शिक्षा : निरिक्षण इंजीनियर को राइट्स गुणवत्ता आश्वासन की प्रक्रियाओं के अनुसार निरीक्षण करना चाहिए और पीओ/विनिर्देशन में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता के लिए क्रेता से स्पष्टीकरण प्राप्त करना चाहिए.

## 3. Common Irregularities In Inspection Cases

During surprise preventive checks and complaints investigation, following discrepancies have been observed on the part of Inspecting Engineers:-

- 1. Initiation of inspection without ensuring complete quantity of offered material.
- 2. Complete sealing of entire lot not done before leaving firm's premises.
- 3. Approved checksheet not used for the offered material even when the same was available in the IBS system.
- 4. Failure to provide the inspection case papers of ongoing inspection.
- 5. Photographs uploaded in IBS are without date and time.
- 6. Scrutiny of internal lab reports not done properly and passing of the substandard material even when it was reported non conformance in internal lab reports.
- 7. Internal documents submitted by firm during inspection not as per PO specification requirement.
- 8. Sampling not done as per applicable sampling plan.
- 9. Recording of dimensions of less number of samples in checksheet.
- 10. Clarification not sought in case of ambiguity in PO/Specification.

**Lesson :** Inspecting Engineer should conduct inspection as per RITES QA procedures and seek clarification from purchaser in case of any ambiguity in PO/ Specification.





# Vigilance Awareness Week, 2020 Theme: Vigilant India, Prosperous India



To mark respect to Sardar Vallabh Bhai Patel the 'Lauh Purush' and our first home minister, Vigilance Awareness Week is observed in India every year in the week in which his birthday, 31st October falls. Every year Vigilance Awareness Week is being organized with different themes. This year's Vigilance week theme is "Vigilant India, Prosperous India" which is based on inclusive approach to involve every Indian citizen.

The word 'Vigilance is originated from Latin word – 'Vigilare' which means 'keep awake' and Prosperous word is originated from Latin word – 'prosperus' which means 'doing well'. If a person always keeps himself awake (alert), he will certainly do well in life. All the synonyms of 'Vigilance' aptly indicate one common meaning – to be alert & careful which has immense importance for every human in his / her daily life. A Vigilant person is the one who keeps himself or herself awake not only at Work but also in everyday activities in every sphere of Life to eliminate every danger, threat, evil, illness etc. which makes him / her healthy and wealthy in life.

In recent years, in India, a lot of efforts have been made to eradicate corruption from the society and the approach is to proactively involve more and more citizens especially the youth, who has to be Vigilant for the nation to prosper. In this digital era when social communication has such a strong presence and is all pervasive, it needs to be harnessed to make the people aware about vigilance in every facet of the life. This can be very effective tool to enter into new sphere of Inclusive approach to spread awareness about vigilance.

A nation is built by its people. The over all image of a country largely depends on the behavior and attitude of the people. If the people have ethical conduct, moral values, honest behavior, vigilant nature, the nation will certainly be prosperous, developed and peaceful. A look at top 10 countries (e.g. New Zealand, Denmark, Singapore, Switzerland, Germany etc.) of 'Corruption Perception Index', 2019 released by Transparency International, reveals that these countries are highly developed economically and socially, global leaders in economy and technology, having very high standard of living, high quality of life, healthcare, human development and education etc. i.e. they are prosperous and peaceful. It is mainly because they have very good ethical and moral systems having mostly honest and vigilant citizens. They are vigilant about future technologies, human resource development, and implementation of law and order rules / policies. It can be seen that the average per capita income in countries with high level of corruption is much less than that of countries with a low level of corruption. Also, the literacy rate is lower in the countries with high level of corruption. No country has been able to completely eliminate corruption, but studies show that the level of corruption in countries with emerging market economies is much higher than it is in developed countries. This is the need of hour that vigilance needs to be increased to arrest corruption and thereby enabling them to prosper.

The ethical conduct of the individual and the organization is a pre-requisite for sustainable and continual growth of the society. Cultivating ethical principles and moral values ought to be an essential ingredient in building our integrity system. School and family play a very important role in this regard. Ethics should become an integral part of our work culture and our lives as responsible citizens. Keeping in view the spirit of the Constitutional obligations and the need to encourage ethical conduct, we should endeavour to promote integrity and eliminate corruption which can be achieved only with the active support and participation of the citizens and other institutions. Public participation plays a vital role in the fight against corruption. So the people must be aware of system, rules, and policies and must be vigilant enough to check the level of implementation. In order to attain a prosperous society, corruption free systems must be developed in a country. To achieve this, all stakeholders including Government, citizens and the private sector must share responsibility in the anti-corruption efforts as well as refrain from indulging in corrupt practices. Aware, active, involved and vigilant public is therefore essential to any anti corruption campaign leading to a country's growth.





- Organizations should promote an ethical work culture in their workplace and it is the top leadership which has to set the tone. In an organization, all should be vigilant by identifying defective products/services, inefficient processes, activity execution deviated from set procedures, incorrect outputs, deficiencies which provide opportunities for malpractices and corruption so that such opportunities are curbed, analyzed, corrected and improved. Thus every Individual can play an important role in the organizational interest. Such actions of creating ethical, vigilant and healthy work culture bring joy, success, growth and prosperity to the organizations. As an example, in RITES, QA division plays vital role in ensuring quality of material being used by Indian Railways and other clients. Following steps have been introduced in the inspection process for bringing transparency, eliminating bias and effective monitoring and control of Inspection work:
  - ✓ Digitisation of following activities have been implemented:
    - On line call registration by vendor.
    - o Automatic call marking.
    - Feedback to vendors on details of nominated inspecting engineer, controlling manager, inspection schedule and inspection protocol.
    - Issue of digital Inspection Certificate.
    - Real time monitoring of inspection status by stake holders (Controlling Managers, Purchasers, Consignees, Vigilance etc.)
    - o Issue of paperless bill to Railways i.e. Digital Billing.
  - ✓ Inspecting Engineers are equipped with modern digital infrastructure including Laptop, and Camera etc.
  - ✓ Use of standard inspection test plans.
  - ✓ Upgrading the skills of Inspecting Engineers by providing Training relevant to their work.
  - ✓ Preparation of product inspection related Instructional You tube videos for guidance of Inspecting Engineers.
  - ✓ Online E-Learning Modules for inspecting engineers.

As already said, besides being Vigilant in Society and Organizations, we must be vigilant in all spheres of society wherever i.e. at home, in traffic, in social gatherings, at public places etc. These efforts in our daily life shall make us happy, healthy and responsible citizen leading to prosperity of our country.

To summarise, we should remain "Vigilant" in our everyday life so that we can make our society, organization and nation happy and prosperous.

S C Singhal ED/QA/RITES LTD





## भ्रष्टाचार- कारण एवं उन्मूलन



कोई भी देश अपनी संस्कृति, सभ्यता और चरित्र से पहचाना जाता है। भारत देश किसी समय में अपनी सत्यता, ईमानदारी, अहिंसा, धार्मिकता, नैतिक मूल्यों तथा मानववादी गुणों के कारण पहचाना जाता था। हमारे देश को सोने की चिड़िया के नाम से जाना जाता था। दुर्भाग्यवश सैकड़ों वर्षों तक मुगलों और अंग्रजों की गुलामी के बाद हम अपनी संस्कृति छोड़कर पाश्चात्य सभ्यता को अपनाते चले गए और हमारे नैतिक मूल्यों का हनन होता चला गया। फलस्वरूप हमारा राष्ट्रीय चरित्र भ्रष्टाचार का प्रयाय बनता चला गया।

भ्रष्टाचार किसी भी देश की अर्थववस्था को खोखला कर देता है एवं उस देश के विकास में बाधा पहुँचता है। सरकार द्वारा घोषित की गयी सभी योजनाओं का लाभ आम जनता तक नहीं पहुँच पाता, इसलिए भ्रष्टाचार का उन्मूलन अति अवयशक है।

#### भ्रष्टाचार के निम्न कारण है :

- राष्ट्रीय भक्ति का आभाव।
- नैतिक मूल्यों मे गिरावट।
- धन को ही सर्वस्व समझना।
- आशिक्षा, गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी आदि।
- जनसंख्या वृद्धि ।
- लचीली कानून व्यवस्था।
- झूठी सामाजिक प्रतिष्ठा।
- जोतिवाद, भाई-भतीजावाद एवं धार्मिक भेदभाव।

किसी भी देश की प्रगति में सबसे अहम भूमिका उसकी ठोस कार्यशैली एवं सुदृढ़ प्रसाशनिक व्यवस्था की होती है। यदि कार्यशैली और प्रसाशनिक व्यवस्था सुदृढ़ है तो भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है। हमें यह भी कोशिश करनी होगी कि समय-समय पर उचित कदम उठाकर कार्य प्रणाली मे निरंतर सुधार किया जा सके ताकि भ्रष्टाचार की संभावना को कम किया जा सके। आज कल के आधुनिक युग मे डिजिटल एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से भ्रष्टाचार को कम किया जा सकता है।

# इसके कुछ उदाहरण इस प्रकार है:

- कार्यालय कार्यशैली में ई-ऑफिस, ई-टेण्डेरिंग एवं ई- इन्वाइस को शामिल करना।
- कैमरों से निगरानी रखना (यातायात विभाग आजंकल चालान के लिया निगरानी कैमरोंका प्रयोग कर रहा है)
- सीमा सुरक्षा / संवेदनशील क्षेत्र की निगरानी ड्रोन सर्वे के प्रयोग से भी की जा सकती है।
- इंटरनेट के मधायम से सभी तरह के सन्देश, दूर-भाष वार्तालाप, ई-मेल, बैंक आदान प्रदान एवं आवा-जाही पर निगरानी रखी जा सकती है।
- 🕟 गरीब लोगों को सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली विभिन्न सब्सिडी / लाभ उनके खाते में सीधे डाले जा सकते हैं।
- कर उद्देश्य के लिए पैन, जी.एस.टी नंबर, आधार और मोबाइल नंबर को जोड़कर प्रमुख सभी लेनदेन पर नज़र रखी जा सकती है।

इन सब के अलावा, भ्रष्टाचार उन्मूलन करने के लिए निम्न पहलुओ पर भी ध्यान देना आवश्यक है।

- नीतिपरक कार्य पद्धतियों को बढावा देना।
- नैतिक मूल्यों का प्रचार करना एवं गोष्ठी आयोजन करना।
- पारदर्शिता जिम्मेवारी और निष्पक्षता का पालन करना।
- शिक्षा एवं प्रशिक्षण का स्तर बढाना।
- अपराध के लिए कठोर दंड का प्रावधान।
- प्रसाशनिक व्यवस्था को निरंतर सुदृढ बनाना।
- कार्यशैली में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का समुचित प्रयोग।
- सभी कर्मचारियों के लिए एक नीति सहिता का पालन।
- अच्छे रोजगार के अवसर प्रदान करना।
- जनसंख्या नियंत्रण करना।

पवन चौधरी कार्यकारी निर्देशक-पी&सी





## **Do Ethics Impede Business Development**



Ethics is an area of study which is expanding continuously, and which is of concern all over the world today. Similar is the case with business. There are business managers who believe that only a practical approach, even if it is devoid of morality, can make the business grow and they look at ethics only as impediment to business development. However, a majority of business organizations are realizing the paramount importance of 'ethics' for sustainability. That this even need debated is incredible to me. When I was a child attending school, things seemed pretty much black or white. There were no gray areas. We are in an age that is totally mixed up about what is right and wrong. There seems to be no black or white anymore. I stand for the notion that ethics accelerate business development rather than impede it.

In today's business world, trust is hard to earn, easy to lose and, once lost, extremely difficult if not impossible to regain. Growing customer skepticism is sending a clear message to the business owners and managers that if organizations hope to succeed they must maintain the trust of their customers, employees, suppliers, and communities - and doing that requires integrity.

Is success without integrity possible? Well, that depends on how you define success. If your goal is strictly to make money and you're out for a quick buck, integrity might not be an essential element of your operation. But if your vision is a solid organization with a stable future, the opposite is true. You might be able to cheat your way to short-term benefits, but not if you want long-term success.

Ethics is important not only in business but in all aspects of life because it is the vital part and the foundation on which the society is build. A business or society that lacks ethical principles is bound to fail sooner or later. According to International Ethical Business Registry, "there has been a dramatic increase in the ethical expectation of businesses and professionals over the past 20 years."

It's a good idea to articulate the company's values and ethics in a policy statement, and use that statement both as an operations guide and a marketing tool. A clear statement removes any doubt as to what is considered right and wrong.

By making ethics mandatory within a company, success will be established. There is a chain reaction when ethical behavior occurs and also when non-ethical behavior occurs. Non-ethical behavior can scorn the company and create bad publicity. Shareholders and corporate partners will lose their confidence in the company and give their support, money, and business to another company. Being non-ethical can lead to failure and fall of the business. Remember, Your reputation is most valuable. A reputation may be repaired, but people always keep their eyes on the place where the crack is.

Ethical conduct is not an emotional or a sentimental thing. It is in the interest of the organizations. It is my firm belief that a good person who steadfastly tries to be ethical somehow always overtakes his immoral or amoral counterpart in the long run. A plausible explanation of this view on ethical behavior is that when individuals operate with a sense of confidence regarding the ethical soundness of their position, their mind and energies are freed for maximum productivity and creativity. On the other hand, when practicing unethical behavior, the individual finds it necessary to engage in exhausting subterfuge, resulting in diminished effectiveness and reduced success. If you look at the organizations which over a period of fifty years or hundred years have done well, you will find that they are known for their ethics even today.





Ethical behaviour over long term will result in creating brand equity. This may turn into a stupendous advertisement trump without spending a single penny and will eventually accelerate Business development. Henry Ford said, "Business that makes nothing but money is a poor kind of business".

Ethics are not just Moral or Compliance issues. In the long term they are Essential Behavioural Traits for the organization, that not only strengthen the Organization's "Brand Equity", but also help ensure stable sustainable growth and long term sustainable well being of the company. Thus, the benefits of being ethical greatly outweigh being non-ethical in business. It can, therefore, be unequivocally concluded that ethics accelerate business development rather than impede it.

"Ability may get you to the top, but it takes character to keep you there."

Vijai Kishore GGM Highways





# भ्रष्टाचार मिटाओ - नया भारत बनाओ



भ्रष्टाचार अर्थात भ्रष्ट + आचार। भ्रष्ट का अर्थ बुरा या बिगड़ा हुआ व आचार का अर्थ है आचरण। भ्रष्टाचार का अर्थ है वह आचरण जो किसी भी प्रकार से अनैतिक और अनुचित हो।

जब कोई व्यक्ति अपनी छोटी से छोटी इच्छा को पूरा करने के लिए अपने पद और ताकत का गलत इस्तेमाल करके किसी और को फायदा पहुंचाता है, और उसके बदले उससे कुछ धन या उपहार लेता है उसे भ्रष्टाचार कहते हैं। यह सरकारी व गैर सरकारी दोनों ही संस्थानों में पाया जाता है। इसमें सरकारी नियम कानूनों की धिज्जयां उड़ा कर फायदा पहुंचाने की कोशिश की जाती है। अपने थोड़े से लाभ के लिए सामान्य जन के संसाधनों की बर्बादी की जाती है। कई बार किसी काम को करने के लिए भी धन या उपहार की मांग की जाती है। यदि नहीं देते तो वे उस काम को टालते रहते हैं। चोरी, बेईमानी, सार्वजनिक संपत्तियों की बर्बादी, शोषण, घोटाला और अनैतिक आचरण आदि सभी भ्रष्टाचार की इकाई है। भ्रष्टाचार से कोई भी क्षेत्र छुटा नहीं है, चाहे वो शिक्षा, खेल, तकनीकी, मेडिकल या राजनीति हो। सब क्षेत्रों में भ्रष्टाचार ने अपनी जड़े फैला ली है। इससे लोग अपनी जिम्मेदारी को नहीं समझते, बस अपना स्वार्थ देखते हैं।

भ्रष्टाचार के कई रूप है जैसे रिश्वत लेना, कालाबाजारी, जानबूझकर दाम बढ़ाना, पैसा लेकर काम करना, सस्ता सामान लेकर महंगा भेजना आदि ।

#### भ्रष्टाचार के कारण

भारत में भ्रष्टाचार बहुत फैल गया है । भ्रष्टाचार के फैलने के निम्न मुख्य कारण हैं:

- •असंतोष जब व्यक्ति को अपने पास जो संसाधन है, उसमें संतोष नहीं होता तो वह और ज्यादा पैसा कमाना चाहता है और ज्यादा पैसा कमाने के लिए वह किसी भी हद तक जाने को तैयार रहता है। वह गलत रास्ता अपनाने से भी नहीं कतराता और भ्रष्टाचार में शामिल हो जाता है |
- •स्वार्थ और असमानता आज के समय में मनुष्य बहुत स्वार्थी हो गया है। वह सिर्फ अपना ही सोचता है। स्वयं को 1 रुपये का फायदा पहुंचाने से यदि किसी को 10 रुपये का भी नुकसान हो तो उसे कोई फर्क नहीं पड़ता । दूसरा हमारे देश में आय वितरण बहुत असामान्य है, किसी के पास बहुत ज्यादा पैसा है और किसी के पास बहुत कम जिनके पास कम पैसा है वह अपने आप को दूसरों से तुलना करते हैं और उनके जितना कमाना चाहते हैं।
- •महत्वाकांक्षा जो व्यक्ति बहुत महत्वाकांक्षी होते हैं, वह हमेशा अधिक से अधिक धन अर्जित करना चाहते हैं, और उसके लिए भ्रष्टाचार के मार्ग को अपना लेते हैं।
- •अपने प्रियजनों को सहायता पहुंचाना कई बार इंसान अपने प्रिय जनों की सहायता करने के लिए सब नियम कानून तोड़ने को तैयार हो जाता हैं।







#### भ्रष्टाचार के प्रभाव

- •भ्रष्टाचार एक दीमक की तरह है इसका कुप्रभाव एक सामान्य व्यक्ति व राष्ट्र दोनों के विकास पर पड़ता है।
- •नौकरी पाने के लिए रिश्वत देने से नौकरी उन लोगों को मिलती है जो उस पद के काबिल नहीं है, और जो काबिल है उनको नौकरी नहीं मिलती। इससे कार्य की गुणवत्ता पर भी असर पड़ता है ।
- •अवसंरचना की परियोजनाओं में रिश्वत देकर उन्हें पास करा लिया जाता है जिससे अनेक दुर्घटनाएं होती हैं ।
- •िकसी वस्तु की गुणवत्ता रिश्वत देकर पास करा ली जाती है, जिस कारण मिलावटी वस्तुएं बाजार में बिकती हैं । जिससे सामान्य व्यक्ति को नुकसान होता है ।
- •जो लोग अपना काम कराने के लिए पैसे नहीं देते उन्हें कार्यालय के बार बार चक्कर लगाने पड़ते हैं जिससे उनका समय बर्बाद होता है।

#### भ्रष्टाचार को रोकने के उपाय

भ्रष्टाचार की जड़े समाज में गहराई से व्याप्त हो चुकी है और लगातार फैल रही हैं समाज में समानता लाने के लिए हमें अपने देश से भ्रष्टाचार को पूरी तरह से मिटाने का प्रयत्न करना चाहिए। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए निम्न कदम उठाने चाहिए:

- •लोगों को सुआचरण के फायदे बताना चाहिए।
- •भ्रष्टाचार करने वाले व्यक्तियों के लिए कड़ी से कड़ी सजा का प्रावधान होना चाहिए।
- •भ्रष्टाचार को देशद्रोह समझना चाहिए।
- •हर एक व्यक्ति को ऑनलाइन लेनदेन पर जोर देना चाहिए और लेन-देन का बिल भी लेना चाहिए।
- •कार्यालयों में समय की पाबंदी पर ध्यान रखना चाहिए। कई कार्यालयों में सरकारी कर्मचारी समय पर कार्यालय न पहुंचने के कारण अपना कार्य कार्यालय समय में पूरा नहीं कर पाते, फिर केवल उनका काम करते हैं, जो उन्हें रिश्वत देते है।
- •कार्यालयों के कामकाज में पारदर्शिता होनी चाहिए।

# भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदम

भारत के विकास के लिए भ्रष्टाचार एक बहुत बड़ी समस्या है, इसलिए सरकार भी भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कदम उठा रही है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने जो कदम उठाए हैं, वे इस प्रकार हैं।

- •वस्तु एवं सेवा कर को शुरू करके कर प्रणाली को सरल कर दिया। अनेक करों की जगह पर एक ही कर मुख्यत: डिजिटल प्रणाली से, एक ही कार्यालय से व्यवहार भ्रष्टाचार को रोकेगा, ज्यादा से ज्यादा लेन-देन में पारदर्शिता आएगी, अधिक कर इकट्ठा होगा और कर चोरी में भी कमी आएगी।
- •नकद रहित लेन देनों की शुरुआत होने से कालाबाजारी खत्म होगी और सभी लेनदेनों का रिकॉर्ड बनेगा जिस से लेनदेनों पर आसानी से नजर रखी जा सकती है।
- •विमुद्रीकरण 8 नवंबर 2016 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 500 और 1000 के नोटों का विमुद्रीकरण करके भ्रष्टाचार के उन्मूलन की तरफ एक महत्वपूर्ण कदम उठाया।
- •ऑनलाइन बिडिंग प्रणाली की शुरुआत से बिडिंग प्रणाली में पारदर्शिता आई है |





भ्रष्टाचार एक दैत्य है जो हमारे देश व देश के नागरिकों के विकास के लिए एक बहुत बड़ी बाधा है। इसलिए हम सब को इसे जड़ से उखाड़ फेंकने का प्रण करना चाहिए। हमें अपनी ज़िम्मेदारी के प्रति निष्ठावान होना चाहिए और किसी भी प्रकार के लालच में नहीं पड़ना चाहिए। पैसों की खातिर हम अपनी वास्तविक व नैतिक जिम्मेदारी को भूल रहे हैं। हम लोगों को यह समझना चाहिए कि पैसा सब कुछ नहीं होता और ना ही एक जगह टिकता है। हम इसको जीवन भर तक साथ नहीं रख सकते। जीवन भर कमाया हुआ धन एक क्षण भर में खत्म हो जाता है इसलिए हम एक ऐसी चीज कमाएं जो हमारे साथ हमेशा रहे जैसे आदर मान-सम्मान, ज्ञान आदि। गलत तरीकों से कमाए हुए धन से कभी शांति नहीं मिलती, बल्कि हर समय एक भय सा लगा रहता है। हमें मूल्यों पर आधारित जीवन को महत्व देना चाहिए ना कि पैसे पर आधारित। आओ, आज हम सब एक प्रण करें कि भ्रष्टाचार को ना बढ़ाएंगे और ना बढ़ने देंगे और यह नारा लगाएं:-

"भ्रष्टाचार को दूर करो, बेहतर देश का निर्माण करो।"

अनीता यादव वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक संतर्कता विभाग





# सतर्क भारत, समृद्ध भारत

संस्कृत में कहा गया है-

## काग चेष्ठा बको ध्यानम्, स्वान निद्रा तथैव च, अल्पाहारी गृह त्यागी, विद्यार्थी पंच लक्ष्णम् ।

प्रत्येक व्यक्ति एक विद्यार्थी की तरह है जो जीवनपर्यन्त कुछ न कुछ सीखता रहता है और जो सीखना बंद कर देता है उसकी प्रगति अवरूद्ध हो जाती है और समय की दौड़ में पिछड़ जाता है। व्यक्ति अपने लक्ष्य पूर्ति करने के लिए संयमित, अनुशासित जीवनयापन करते हुए सामाजिक परिवेश में सतर्क एवं जागरूक रहकर ही समाज और देश के विकास में अपना योगदान दे सकता है।

श्लोक का अर्थ यह है कि विद्यार्थी में कौए जैसी नजर, बगुले की भांति एकाग्रचित्त ध्यान तथा स्वान की भांति नींद लेने वाला होना चाहिए। अतएव उसे प्रत्येक क्षण सतर्क होना चाहिए। इसके साथ ही अल्प आहार लेने वाला और विद्या अर्जन के लिए गृह त्यागना चाहिए।

श्लोक का भावार्थ यह है जैसा मैंने ऊंपर उल्लेख किया है कि प्रत्येक व्यक्ति एक विद्यार्थी की तरह है। अतएव उसमें विद्यार्थी सुलभ चेष्ठाएं होना जरूरी है, विद्यार्थी के पांच लक्षण बताये गए है उन्हें यदि कोई भी व्यक्ति अंगीकार करता है, वैसी सतर्कता रखता है तो निश्चित रूप से वह समाज में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करके देश की प्रगति में सहायक होगा।

किसी भी देश के विकास और समृद्धि का आधार-स्तंभ वहां की शिक्षा व्यवस्था, नई-नई तकनीकी का प्रयोग, तकनीकी अवसंरचना, आर्थिक, सामाजिक सुरक्षा और देश में रहने वाले नागरिकों का जागरूक और अनुशासित होना है। इनमें से किसी एक के अभाव में देश प्रगति नहीं कर सकता है। भारत एक विकासशील देश है। वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाए तो भारत ही नहीं अपितु विश्व के सभी देश बिगत छह महीनों से कोरोना या कोविड-19 महामारी से सतर्कता बरत रहा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि मौजूदा समय में हमारा देश और पूरा विश्व कोराना के प्रति सतर्क और जागरूक है। यदि ऐसी ही सतर्कता और जागरूकता व्यक्ति अपने सामाजिक परिवेश में अपनाये तो निश्चित रूप से हमारा देश प्रगति करेगा। अतः सतर्क रहने से व्यक्ति न केवल स्वस्थ्य एवं प्रसन्नचित रहता है बिक्कि वह अपने परिवार, समाज और देश का हित भी करता है। आज मनुष्य की स्वार्थपरता इतनी हावी हो गयी है, देखिए-

## जिसको जो मिलता यहां, संतोष करे न कोय। चाहत तो उसकी रहे, जो हासिल ना होय॥

सामान्यतया देखने में आया है कि व्यक्ति को अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक-दूसरे से लेन-देन करना पड़ता है। व्यक्ति लेन-देन अपने मित्रों, रिश्तेदारों या अन्य व्यक्तियों से करता है, जिसमें उधार दिए या लिये गए पैसों को लौटाने की एक समय-सीमा निर्धारित की जाती है। उस समय-सीमा के अंदर पैसे लेने वाले व्यक्ति को भुगतान करना होता है परंतु साक्ष्य के अभाव में पैसे लेने वाला व्यक्ति यदि पैसा देने से मुकर जाता है या इंकार करता है, ऐसी स्थिति में पैसा देने वाला व्यक्ति क्या करेगा? शायद किम् कर्तव्यम् विमुण की स्थिति होगी। आखिर ऐसा क्यों ? इससे स्पष्ट होता है कि लेन-देन करते समय हमें अत्यंत सतर्क या सावधान रहने की आवशयकता है और उसमें पारदर्शिता होना चाहिए।

महाभारत के एक प्रसंग के अनुसार सुकुमार कौरवों और पांडव का अध्ययन पूर्ण होने पर गुरू द्रोणाचार्य ने अपने शिष्यों के लिए परीक्षा आयोजित की। आश्रम के समीप ही एक बरगद का पेड़ था। जिसमें लंबी-लंबी टहनियां लटक रही हैं, पत्तों से पेड़ ढंका हुआ है और उन पत्तों के बीच में एक टहनी पर चिड़िया बैठी है, उसकी आंख में निशाना लगाना है। गुरू द्रोणाचार्य ने दुर्योधन से प्रश्न किया-बताओ बत्स, तुम्हें पेड़ पर क्या दिखाई दे रहा है? दुर्योधन ने कहा- गुरूदेव, मुझे पेड़ की टहिनेयां, पत्ते और चिड़िया दिखाई दे रही है। यही प्रश्न गुरू द्रोणाचार्य ने दुशासन, युधिष्टिर, भीम, नकुल और सहदेव से पूछा परंतु सभी विद्यार्थियों ने लगभग ऐसा ही जवाब दिया, जो दुर्योधन ने दिया। फिर गुरू द्रोणाचार्य ने अर्जुन से कहा-बताओ, बत्स, तुम्हें पेड़ पर क्या दिखाई दे रहा है? गुरूजी, मुझे पेड़ पर केवल चिड़िया की आंख के अलावा और कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है, अर्जुन ने कहा। गुरू ने अर्जुन से कहा- बत्स, लक्ष्य साधो। इस प्रसंग से हमें यह सीख मिलती है कि एकाग्रता से कठिन से कठिन लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है और सतर्क रहने से पारदर्शिता बढ़ती है।





महात्मा गांधी ने आदर्श जीवन जीने के लिए जो जीवन मूल्य स्थापित किए है, उन्हें कौन भूल सकता है? उन्होंने कहा था कि मनुष्य विचारों से बना सामाजिक प्राणी है, जो जैसा सोचता है वह वैसा बन जाता है-

#### मनुज विचारों से बना, उसके सिवा कुछ नाय। जो जैसा है सोचता, वैसा वह बन जाय॥

यह सहज व्यवहारिक बात है कि किसी भी व्यक्ति को कभी न कभी किसी भी कार्य के सिलिसले में बैंक या सरकारी कार्यालय/संस्थान जाना पड़ता है। वहां देखने में आता है कि समाज में प्रतिष्ठित लोगों का कार्य शीघ्र हो जाता है परंतु उसी कार्य के लिए अन्य सामान्य व्यक्तियों को कई सप्ताह या महीने लग जाते हैं। इसका क्या कारण हो सकता है? शायद कई कारण बताए जा सकते हैं परंतु उसमें एक प्रमुख कारण अपारदर्शी व्यवस्था है। सूचना प्रोद्योगिकी के दौर में लोगों की जागरूकता बढ़ने के साथ ही पारदर्शिता भी बढ़ी है और एक ओर मानव जीवन सरल हुआ है वहीं यदि इसका दूसरा पक्ष देखा जाए तो इसके दुष्परिणाम भी सामने आते है, कैसे ?

## तकनीकी के दौर में, तकनीकी उपयोग। सोच-समझकर कीजिये, डेटा उचित प्रयोग॥

आधुनिक दौर में हमें तकनीकी का प्रयोग सूझ-बूझ के साथ करना चाहिए क्योंकि हमारे द्वारा संरक्षित किया डेटा कब कहां चला जाए कुछ भी कहा नहीं जा सकता। इसमें गुण और दोष दोनों मौजूद है। इसलिए हमें तकनीकी का उपयोग सतर्कता से करना चाहिए।

हमारे देश का प्रत्येक नागरिक जब अपने कार्य के दौरान प्रत्येक क्षेत्र में सतर्क, जागरूक या सावधान होगा तभी देश समृद्ध और खुशहाल होगा। जैसे सैनिक हमारे देश के सजग प्रहरी है, वैसे ही अगर देश का प्रत्येक नागरिक अपने कार्य के प्रति ईमानदारी, सजगता, कर्तव्यनिष्ठा और लगन से अपने कर्तव्यों का सत्याचरण से पालन करे तो निश्चित रूप से हमारा देश विकास के पथ पर अग्रसर होकर समृद्ध होगा। यथा-

> सुंदर हो तन मन अरू, सुंदर हो परिवेश। नित नूतन उत्कर्ष हो, प्यारे भारत देश॥

> > भगवान दास रायकवार, राजभाषा सहायक प. क्षे. मुंबई राइट्स लि.





#### VIGILANT INDIA, PROSPEROUS INDIA





Former President, late Sh. Pranab Mukharjee once said "Be Vigilant to save basic tenets of society. Citizen's vigilance, intellectual vigilance and media vigilance can act as the biggest deterrent to the forces of darkness and backwardness."

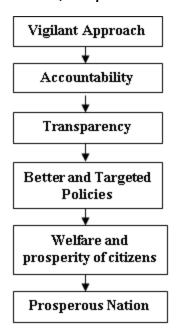
Looking at the current scenario, the whole world is facing the health crisis & economy crisis. The prosperity of any state or country can directly relate to its economy, Health & Education. It requires constant efforts, vigilance and re-evaluation to make any country prosperous.

When we talk about our country, India is the world's fifth largest & growing economy. The Main pillars of our country's economy are agriculture, rural sector, social sector, education and job creation, infrastructure investment, financial sector reforms, governance and ease of doing business, fiscal discipline and tax reforms. If working of all these sectors are transparent, accountable and free from corruption, then this will help in growth of country & its citizen. Accountability and Integrity are some of the most important values individuals can exercise in the workplace.

To make it happen, The Central Vigilance Commission has the mandate under the Central Vigilance Commission Act, 2003 to fight corruption and to ensure integrity in public administration in our country by Government of India. In Observance of Vigilance Awareness Week every year during the last week of October is taken up to spreading awareness amongst people about the need to be accountable to the society.

#### Theme for 2020

The Central Vigilance Commission has decided to observe the vigilance awareness week from October 27 to November 2 this year with the theme "Vigilant India, Prosperous India"







#### Step towards making more vigilant & corruption free India

Government is doing lots of work towards the policy of achieving transparency, accountability and corruption free governance.

**Digital India** is a campaign launched by the Government of India in order to ensure the Government's services are made available and transparent to citizens electronically by improved online infrastructure.

**Introduction of E-tendering & GeM under e-Governance:** For procurement of any work, Government asked all govt. organizations & Public sectors to adopt e-tendering & procurement through the government e-marketplace.

**Introduction of Prevention of Corruption Act 1988:** The Parliament of India enacted to combat Corruption in government agencies and public sector businesses in India. As the PC **Act** saw limited success an amendment was enacted (Amendment **Act**) and brought into force on 26 July 2018.

**Introduction of e-Office:** A digital working platform is also adopted by govt. & public sector organizations to improve the transparency & accountability.

**Direct Benefit Transfers:** In govt. schemes such as MANREGA etc, cash can directly transfer to beneficiary account. For this Jan Dhan Yojna was started in 2014 and govt. asked every person to open an account and link it with Aadhar card. Direct transfers of cash amount to beneficiary account for minimize corruption.

**Right to Information (RTI) Act:** In 2005, right to information (RTI) act was enacted by Parliament of India for practical regime of right of information for citizens to secure access to information under the control of public authority, which leads to improve the transparency.

**Integrity Pact by CVC:** Asking the organization to adopt integrity pact in major procurement activities and to ensure effective and expeditious investigation wherever any irregularity or misconduct is noticed.

**Lokpal and lokayukta act:** The Lokpal and Lokayuktas Act, 2013, commonly known as The Lokpal Act, is an anti-corruption Act of Indian Parliament in India which "seeks to provide for the establishment of the institution of Lokpal to inquire into allegations of corruption against certain important public functionaries including the Prime Minister, cabinet ministers, members of parliament, Group A officials of the Central Government and for matters connecting them.

**One Stop Grievances Redressal Centre:** One Stop Centers (OSCs) are formed by ministry of women and child development are intended to support women affected by violence, in private and public spaces, within the family, community and at the workplace.

Faceless Assessment Scheme 2019: In Income tax department, Faceless assessment is started to eliminate the human interface between the taxpayer and the income tax department which can also eliminate the corruption.







The Comptroller and Auditor General (CAG) of India: CAG is an authority, established by Article 148 of the Constitution of India, which audits all receipts and expenditure of Government of India and state governments, including those of bodies and authorities substantially financed by the government. The CAG is also the external auditor of government-owned corporations and conducts supplementary audit of government companies (any non-banking company in which Union government has an equity share of at least 51% or subsidiary companies of existing government companies).

#### Way forward:

There is a great saying of economist & diplomat Angel gurria "Integrity, transparency and the fight against corruption have to be part of the culture. They have to be thought as fundamental values".

Through various schemes and programs government is trying to make various organizations and ministries more accountable, answerable and transparent like introducing e-tendering, e-office, e-marketing (GeM), Digital India, RTI Act 2005 etc and it is directly monitored by PMO office. Public awareness programs at grass root levels and one stop centers are making citizens aware about their rights and working mechanism of governmental departments so that end cause of various schemes and welfare programs are met and every single individual is benefited from it.

A robust vigilant mechanism act as a backbone for boosting the economy of the country and welfare of the people and the government is doing everything possible to achieve this target by incorporating various laws, schemes, etc.

Ms. ANJALI (AM/C) & Sh. MANOJ RAJPAL (GM/P & SBU Head) RPO-LUCKNOW





## भ्रष्टाचार.....एक लड़ाई अपने ही विरुद्ध





भ्रष्टाचार जो इस समय अपनी जड़े व्यापक रुप से फ़ैला चुका है इससे लड़ाई लड़ने की बात आज आमतौर पर सुनने को मिल जाती है। हर कोई कहता है की अगर हमें देश की उन्नति करनी है तो भ्रष्टाचार को जड़ से मिटाना होगा। लोग अपने अपने तरीकों से लड़ते हैं। कुछ लोग आंदोलन करते हैं, कुछ लोग अनशन करते हैं तो कुछ लोग क्रान्ति लाने की बात तक कह जाते हैं। लोग कहते हैं की हम भ्रष्टाचार से लड़ रहे हैं जबकी लड़ाई वो भ्रष्टाचारियों से कर रहे हैं। भ्रष्टाचारी से लड़ कर हम भ्रष्टाचारीको ही खत्म कर सकते हैं, भ्रष्टाचार को नहीं। भ्रष्टाचारियों की संख्या आज इतनी बढ़ गयी है की इनको नेस्तनाबूद करना लगभग नामुमिकन है। तो यहाँ जरूरी यह है कि हम भ्रष्टाचार से लड़े और इसकी शुरुआत हमको अपने आप से करनी होगी। हमें खुद से लड़ना होगा। अपने मन से लड़ना होगा, अपनी भावनाओं से लड़ना होगा।

भ्रष्टाचार की शुरुआत खुद से ही होती है। जहाँ हम अपने आप से या अपनी परिस्थितियों से हार जाते हैं वहीं हम भ्रष्टाचार से भी हार जाते हैं। अगर आप कमज़ोर है, खुद से लड़ने में असमर्थ है तो फ़िर आप भ्रष्टाचार से भी नहीं लड़ पायेंगे। किसी ना किसी कदम पर आपको मात खानी ही पड़ेगी और फ़िर आप भी उन असंख्य लोगों की तरह हो जाओगे जो जिंदा तो है पर नज़र नहीं आते हैं। कहने का मतलब यह है की आप अपने आदर्शों के खिलाफ़ अगर कुछ कृतत्व कर रहे हैं तो आप जिंदा नहीं है। उर्दू के मशहूर शायर वसीम बरेलवी जी का एक शेर है -

## "उसूलों पे जहाँ आँच आये टकराना ज़रूरी है, जो ज़िन्दा हों तो फिर ज़िन्दा नज़र आना ज़रूरी है"

दरअसल बात ऐसी है की हमारा जो तन्त्र बना हुआ है वो आदमी को जिंदा नहीं रहने देता है। एक जिंदा लाश बनने पर मज़बूर कर देता है। कोई व्यक्ति जब किसी तंत्र से जुड़ता है तो वो सकरात्मक विचारों के साथ ही जुड़ता है। लेकिन यह भ्रष्ट तन्त्र आदमी को इस कद्र तोड़ देता है की आदमी ना चाहने के बावजूद भी इसका हिस्सा कब बन जाता है उसे भी इस बात की अनुभूति भी नहीं हो पाती है। कोई भी तंत्र ना तो परिपूर्ण होता है और ना ही कभी हो सकता है। पर इसका फ़ायदा भ्रष्ट तन्त्र से जुड़े लोग उठाते हैं। यह आदमी को हर तरीके से फ़िर चाहे वो निजी स्तर पर हो या पारिवारिक स्तर पर हो या व्यावसायिक स्तर पर हो, हर तरीके से तोड़ने का प्रयास करते हैं। एक आदमी निजी स्तर पर या व्यावसायिक स्तर पर तो लड़ लेता है लेकिन ज़्यादातर लोग पारिवारिक स्तर पर बात आती है। कोई अपने से जुड़े दुख-दर्द तो झेल लेगा लेकिन जब परिवार पर बात आती है तो लोग हार जाते हैं। यहां आदमी अगर मज़बूत रहे, अपनी भावनाओं के आगे घुटने ना टेके, अपने ही विरुद्ध खड़ा रहे तो उम्मीद की किरणों को देखा जा सकता है। हर संकट से लड़ा जा सकता है, हर तूफ़ानों से टकराया जा सकता है। बहती लहरों को चीर के आगे निकलता है।किसी ने क्या खुब लिखा है-



भंवर से लड़ो, तुंद लहरों से उलझो, कहां तक चलोगे किनारे-किनारे.....





कीमत तो दोनों जगह चुकानी हैऔर बराबर चुकानी है।चाहे वो आप भ्रष्ट तन्त्र का हिस्सा बन कर चुकाओया अपने आदर्शों को मार कर या भ्रष्ट तन्त्र से लड़ कर अपनी निजी, पारिवारिक और व्यावसायिक जीवन को तांक पर रख कर चुकाओ। निर्णय आपकाहै, नितांत आपका। अगर हम भ्रष्टाचार से लड़ना ही चाहते हैं तो पूरी निष्ठा से लड़ना होगा। एक बार लड़ने के बारे में सोचने के बाद हमें नतींजे के बारे नहीं सोचना है। हरिवंशराय बच्चन जी कह गये हैं की -

## "जब नाव जल में छोड़ दी, तूफ़ान में ही मोड़ दी, दे दी चुनौती सिंधु को, फिर धार क्या मझधार क्या"



भ्रष्ट तन्त्र में बैठे बहुत लोगों के लिये मानवीय भावनाओं के कोई मायने नहीं रह जाते हैं। वो अपने निजी स्वार्थ के लिए सामने वाले आदमी को हरसंभव तोड़ने का प्रयास करते हैं। लेकिन अगर ठान लिया जाये तो कोई भी काम असंभव नहीं है। कुछ लोग जीवन को आसन बनाने के लिए हालातों से समझौता कर लेते हैं। भ्रष्टाचार से हार कर भ्रष्ट तन्त्र का हिस्सा बन जाते हैं अपने हीआदर्शों के विरुद्धऔर यह सिर्फ़ इसलिये की उनके जीवन में कोई परेशानी ना आएं।यहाँ पर अगर हमारा प्रण दृढ़ रहेगा तो दुनिया की कोई ताकत हमें हमारे प्रण से डिगा नहीं पायेगी। इसके लिये बहुत जरूरी है की हम खुद मज़बूत रहे और इसका मील चुकाने के लिए तैयार रहे। आदमी यहां अपनी भावनाओं से हार जाता है। अब चाहे वो निजी हो या पारिवारिक। लेकिन अगर पथ सुगम हो तो हर कोई चल लेगा, बात तो तब है की जब आप काँटे भरे पथ पर भी बिना किसी शिकायत के चलते रहें। किसी ने क्या खूब कहा है-

## "वो पथ क्या, पथिक कुशलता क्या, जिस पथ में बिखरें शूल न हों। नाविक की धैर्य कुशलता क्या, जब धाराएँ प्रतिकूल न हों"

भ्रष्टाचार से लड़ने का व्रत अगर हम लोग करते हैं तो हमें इसका अंतिम मोल चुकाने के लिये हमेशा तैयार रहना चाहिये। बिना अंतिम मोल दिये हम नहीं लड़ सकते हैं। अंतिम मोल कुछ भी हो सकता है। चाहे वो अपने सपनों को मारना होँ या अपनी निजी या पारिवारिक जीवन को दावं पर लगाना हो। यहाँ बहुत जरूरी है की हम अपने मन पर नकेल कस कर रखें। हमको अपने आप को इतना मज़बूत बनाना होगा की चाहे निजी, पारिवारिक और व्यावसायिक जीवन में कोई दिक्कत आये, हमें हारना नहीं है। यह तभी संभव है जब हम अपने आप को जीवन के हर पथ पर मात दे दें। जो जीवन आज हम लोग जी रहे हैं उसके पीछे बहुत से लोगों का संघर्ष जुड़ा है। लोगों ने अपना सब कुछ कुर्बान किया है। तो यह हमारी भी जिम्मेदारी बनती हैं की हम अपनी आनेवाली पीढ़ियों को कुछ अच्छा दे कर जायें। रामधारी सिंह दिनकर कह गये हैं की -



जहाँ कहीं है ज्योति जगत में, जहाँ कहीं उजियाला, वहाँ खड़ा है कोई अंतिम मोल चुकानेवाला।









भारत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिये हम सबको आगे आना होगा। भ्रष्टाचार मुक्त भारत की लौ अगर जला कर हमको रखनीहै, अगर हमको इसकी रौशनी आनेवाली पीढियों तक पहुचानी है तो हमें इसका अंतिम मोल चुकाना ही होगा। अगर इस प्रयास में हम कामयाब हो पाते हैं तो वो दिन दूर नहीं जब हम भ्रष्टाचार को नेस्तनाबूद कर गांधीजी और भगतसिंह के सपनों का देश बना पायेंगे।भगतसिंह और इनके जैसे कई क्रान्तिकारियों का एक ही सपना था की हम भारत को अपने सपनों का देश बना पाएं। सपनों का वो देश जो भ्रष्टाचार से मुक्त हो और जहाँ हर व्यक्ति सुखी और संपन्न हो। वो जानते थे की जिस भारत का सपना वो देख रहे हैं उस भारत की सूरत भी वह कभी नहीं देख पायेंगे। फिर भी उस भारत के लिये उन्होनें अपना सर्वस्व समर्पण कर दिया।

तो यहाँ पर हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि हम उस सपने को जिवंत रखे और अपने आने वाली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के बारें में कुछ सकरात्मक सोचें। तभी हम अपने आनेवाले कल को भ्रष्टाचार मुक्त और भारत को सुखी और समृद्ध देशों की पंक्ति में खड़े होने की कल्पना कर सकते हैं। प्रेम धवन की यह पंक्तियाँ हमारे आने वाली पीढ़ियों के लिये हमारी इस भावना को सार्थक करती हैं -

> हम ना देखेंगे कल की बहारें तो क्या, तुमको तो यह बहारें दिखा जायेंगे।

> > बी एस सी आदित्य सिंह दिनकर सहायक प्रबंधक (यांत्रिक), गुणवत्ता आश्वासन प्रभाग, राइट्स लिमिटेड (उत्तरी क्षेत्र निरीक्षण कार्यालय)





## भ्रष्टाचार एक रक्तबीज



इक दिन टीवी पर एक सज्जन, भष्टाचार पर दे रहे थे भाषण। ओजस्वी विचारों को सुनकर, ताँडव सा हुआ झंकृत मेरा अंतःकरण। सोचा ! काश मैं भीं....... देश सेवा में करती कुछ अर्पण। भर गया नस-नस में मेरे यूँ, राष्ट्र के लिए प्रेम और समर्पेण। ऑफिस से लौटे पतिदेव ने डोरबेल बजाई. खोल दरवाजा की उनकी अगवाई। और भ्रष्ट प्रणाली को लेकर. जोश से भरी बातें उन्हें सुनाई। माथे को सहलाते हुए पतिदेव बोले-तुमने भी आज क्याँ ठानी है, करप्शन तो रोज की ही कहानी है। दिमाग से करप्शन का भूत निकाली, तुम तो सिर्फ अपनी गृहस्थी संभालो। पर, मुझपर तो जैसे जोश सवार था, क्रांतिकारी सा उफान उबलने को तैयार था। स्वर मेरा आक्रामक और जोशीला था, 12 साल का वत्सल भी देख मुझे डोला था। मोर्चा देखकर उसने भी. दाग़ दिए मुझ पर कई सवाल। रिश्वत-कालाबाजारी-घूसखोरी, तसल्ली से समझाए उसे जवाब। वत्सल के अबोध मस्तिष्क में भी. अब कौंध गए कई विचार। बोला - माँ मैं भी...... राष्ट्रनायुक की भांति इक दिन. देशैभक्ति का दूंगा प्रमाण। मातृभूमि को जों कलंकित करता, करूँगा इस रक्तबीज का संहार। अगले दिन....पापा बोले, आज रविवार - सभी की छुट्टी है, चलो ! फ़िल्म देखकर आते है। थके हुए मन को यूं बहलाते हैं। मैं भी खुशी से उछली, वत्सल भी खुश हो गया। आउटिंग के इस प्लान से, चेहरा फुलों सा खिल गया।

हुए तैयार और घर से निकले, थियेटर के करीब लाइन पर पहुंचे। गर्मी व लुंबी लाइन से सिर चकरा गया, खत्म हुई टिकट्स् - काउंटर भी बंद हो गया। तभी एक युवक ब्लैक में टिकट देने आया। हम दोनों का चेहरा फिर से जगमगाया। दोगूने पैसो में टिकट लेकर चलने लगे. पर....वत्सल के नन्हे-नन्हें कदम, फेविकोल की तरह चिपकने लगे। वत्सल पूरे उत्साह से बोला-मैं देश कें। जिम्मेदार नागरिक हूँ, और भविष्य में भी ऐसा ही बनुँगा। करप्शन को अपने किसी की भी. एक्शन से हैल्प नहीं करूंगा। माँ-पापा, दोनो बोले ! अरे...हमने कौनसा भ्रष्टाचार किया ? देश के साथ कौनसा अनाचार किया ? तीव्र आवेश में आया हुआ वत्सल, थोडा संभलकर बोला -माँ - पापा, ब्लैक में टिकट लेकर भी तो हम भ्रष्टाचार को बढाते है। अपने इन छोटे-छोटे कृत्यों से ही, देश के गौरव पर कालिख लगवाते है। हम दोनो एकदम सकते में आ गए. धरती की तरफ अपनी नजरें गढा गए। वत्सल ने अपनी इस जिद्द से. हमारा वास्तविक परिचय करवाया। अनभिज्ञ थे जिस व्यक्तित्व से. उसका भी बोध करवाया। हम सभी अपने सुंदर वक्तव्यों में, ईमानदारी का ढोल खुब बजाते हैं। पर समय आने पर खुदें ही, बेईमानी के आगे सिरें झुकाते हैं। ये सिर्फ मेरी-आपकी हीँ नहीं, हम सभी लोगों की कहानी है। जो अपनी लेखनी के जरिये. मुझे ! हम सभी को समझानी है।

मोनिका शर्मा





#### **HUMAN BLOOD**



I was proud
To be the blood
Flowing inside the human flesh
I would clean the dirty conduits
Through my rigorous flow
And absorb the toxins
That would follow
But I was pure
For my noble nature
The most vital
Among the liquid candidature

When I would flow
Through the veins
I made rhythm with
The human beats
I healed
Many unwanted crevices
By extracting from the lymph
All the essential supplies
I would keep running
Through all rough terrains
Only to leave behind my red trails

But one day my color
Started to decay
When I had to do more
Than the capillaries could obey
A toxin first to arise
From the greed
Made me sense
Something is wrong with
The human deed
It slowly permeated the
Tiny membrane.
And dissolved in me
Taking away all the oxygen

I tried to warn the flesh
Not to crave for the evil head
Because when it took the bribe
I felt the tremors
From the conscience which got too high
The muscles clenched
And teeth chattered
As the illicit food
Was Curse laden
I tried to cleanse the system,
My making it sweat
I let the muscles convulse
So it could understand
I swept its interior floors
Ending up dry during the course

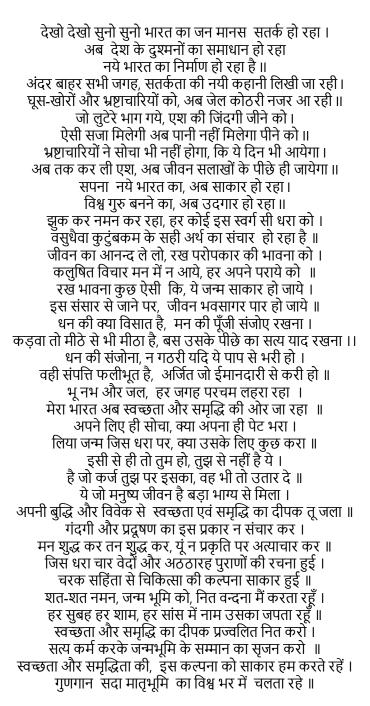
But not the slight disruption
For it was the poison of corruption
Stunting my movement
And growth of the flesh
Arteries are jammed
Veins are rammed
Soon I discovered
Money is everywhere stacked
So I am losing my color
Turning to black from vibrant red
If the deeds of corruption
Persist in the human creed
Me and the humanity alike
Both will be ceased

Bharti Jain Manager (S&T)





## सतर्क भारत समृद्ध भारत





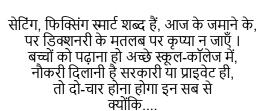
जय हिन्द, जय भारत

रणबीर सिंह मल्ल वरिष्ठ सहायक / सतर्कता





#### भ्रष्टाचार



मजबूरी का फायदा जब-2 भी समाज में उठाया गया, एक घर का वजूद मिटा है, जहाँ नया बनाया गया ।। तिनक अपनी संस्कृति का भरोसा कर ऐ मानव ! इस दौड़ में बड़े देश भी हारे हैं भारत गर निकला है, चमका है कुछ असर संस्कृति का तो रहा होगा। तू चाहे तो भ्रष्टाचार की दुकान ढ़ह सकती है जरूरत है सिफ्ट एक हुंकार की,

शक्तिहीन हो जाएगी कहानी भ्रष्टाचार की । सींचना बंद करें अब हम ही इस भ्रष्टाचार की पौध को, जन-2 में प्रसारण करते हैं । न जाने कब, कहाँ, किसे इसका विज्ञापन करते हैं ।।

इतना दो न..... क्यों मुश्किल में आते हो ? वक्त की कीमत ज़्यादा है, पैसे क्यों बचाते हो ? इस प्रचार को अब रोकना होगा, स्वयं को आत्मबल और विश्वास की भट्टी में झोंकना होगा। कैमरा ले के चलता है, हर इंसान आज हाथ में, तो क्या कमी है भगवान के साथ में ? वो कैमरे की आँख भगवान की आँख बन सकती है। जरूरत है सिर्फ एक हुंकार की, शक्तिहीन हो जाएगी कहानी भ्रष्टाचार की। परिवर्तन गर जिंदगी का नियम है और सामने है भी-स्वच्छ वातावरण, प्रदूषण रहित पर्यावरण, चमकते तारों भरा आकाश नहीं कर पा रहे थे हम सब कुछ, महामारी ने किया

> पर...... एक संदेश दिया हमें...... मानव कर सकता है तू भी जो चाहे फिर भ्रष्टाचार क्या चीज है ? जरूरत है एक कोशिश की, अदद एक ईमानदार कोशिश की।



राजेश रहेजा संयुक्त महा प्रबंधक आर.एस.डी.





## **VIGILANCE ACTIVITIES DURING THE YEAR 2019**



CVO addressing vendors in Vendor's Meet at Delhi on 13.11.2019.



CVO at Vendor's Meet in Kolkata on 03.12.2019







## Vigilance Week - 2019





CMD/RITES administered "Integrity Pledge" to officials posted at Corporate office on 28.10.2019.







Unveiling of Vigilance Pamphlet by CMD and CVO during Vigilance Awareness Week 2019.



Release of Vigilance Bulletin by CMD, Directors and CVO on 28.10.2019







Inter school poster making competition organized on 22.10.2019 in AVR Public School, Gurugram.



Distribution of prizes to the students participated in the Poster Competition on 22.10.2019 in AVR Public School, Gurugram by Judge Sh. A.K.M. Sharma, Expert, RITES Limited.









A student speaking in the Inter school Elocution Competition on topic "Integrity – A way of Life" organized in AVR Public School on 31.10.2019



Prize Distribution to the Winners of Elocution Competition organized in AVR Public School by Sh. Ashok Kumar, CVO, RITES Limited.









Nukkad Natak Organised on "Integrity- A way of Life" in RITES Ltd., ROC-I, Gurugram on 31.10.2019



Distribution of Certificates and Mementos to the Nukkad Natak Team by CMD, RITES Ltd.







Lecture on "World Bank initiatives for preventive Vigilance in Public Procurement" by Mrs. Heena Doshi, World Bank Expert on 30.10.2019.



CMD, RITES Limited, addressing the RITES Employees on the concluding day of Vigilance Awareness Week, 2020.





# Prize Distribution to the Winners of Essay Writing Competition Organized for RITES' Employees



1<sup>st</sup> Prize – Ms. Monika Sharma Draftsman – I, (RPO-North)



2<sup>nd</sup> Prize – Shri Pradeep Mittal DGM, (UT-GC)



2<sup>nd</sup> Prize – Shri Anand Singh Jr. Asstt., (Finance)



3<sup>rd</sup> Prize – Shri R. Saravanan JGM (P & WR)





#### **Ouotes for Mind**

- Make injustice visible. Mahatma Gandhi
- To believe in something, and not to live it, is dishonest.— Mahatma Gandhi
- Never be afraid to raise your voice for honesty and truth and compassion against injustice and lying and greed. If people all over the world...would do this, it would change the earth.— William Faulkner
- If you tell the truth, you don't have to remember anything.— Mark Twain
- The world is big enough to satisfy everyone's needs, but will always be too small to satisfy everyone's greed. -Mahatma Gandhi
- You have to be vigilant about keeping your own fire alive.— Tift Merritt
- A lie can travel half way around the world while the truth is putting on its shoes.— Mark Twain
- You can't lie to your soul.— Irvine Welsh
- Truth never damages a cause that is just.— Mahatma Gandhi
- Anything is better than lies and deceit! Leo Tolstoy
- I am not bound to win, but I am bound to be true. I am not bound to succeed, but I am bound to live up to what light I have.— Abraham Lincoln
- When I despair, I remember that all through history the way of truth and love have always won. There
  have been tyrants and murderers, and for a time, they can seem invincible, but in the end, they always
  fall. Think of it always.— Mahatma Gandhi
- Many people, especially ignorant people, want to punish you for speaking the truth, for being correct, for being you. Never apologize for being correct, or for being years ahead of your time. If you're right and you know it, speak your mind. Even if you are a minority of one, the truth is still the truth.- Mahatma Gandhi
- It's easy to stand in the crowd but it takes courage to stand alone. Mahatma Gandhi
- The truth can never be wrong, even if no one hears it. Mahatma Gandhi







"If a country is to be corruption free and become a nation of beautiful minds, I strongly feel there are three key societal members who can make a difference. They are the father, the mother and the teacher"

